भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित

jagrukjanta.net

/jagrukjanta
/jagrukjantanews
jagruk_janta

मार्गशीर्ष, पक्ष-कृष्ण, तिथि - प्रतिपदा, संवत 2079 पृष्ठ : 8 | जयपुर, बुधवार | वर्ष-8, अंक-37, 9 नवम्बर - 15 नवम्बर, 2022 | मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

जिन्हें रोकने-टोकने वाले होते हैं वे खुशनसीब होते हैं!

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

जीवन में बहुत से लोगों को रोकना-टोकना बुरा लगता है। वे सोचते हैं कि हमें बिना वजह क्यों रोका टोका जाता है। जबकि उनको रोकने टोकने के पीछे उन्हें दिखाई नहीं देने वाली अच्छी बात होती है। छोटे बच्चे से लेकर बड़ों तक को रोकने टोकने की आदत होती है और अगर उन्हें कोई दूसरा रोके-टोके तो बुरा लगता है। मगर उन्हें नहीं मालूम कि जिन बागों में देखरेख करने वाले माली नहीं होते वे जल्दी ही उजड़ जाते हैं। हमारे संयुक्त परिवारों में घर के बड़े-बुजुर्गों को बड़े सम्मान से देखा जाता है उनकी हर बात को ध्यान से सुना जाता है और उनके निर्णय को टालने की हिम्मत किसी में नहीं होती। मगर आज संयुक्त परिवार बिखरते जा रहे हैं और बहुत कम ऐसे परिवार हैं यो संयुक्त रूप से रह रहे हैं। उनमें आज भी सब खुश और परेशानियों से दूर निश्चिन्तता से जीवन जीते हैं। हम बात कर रहे थे रोकने-टोकने की। घर में अगर बड़ा कोई है और वह किसी बात पर रोकता टोकता है तो उसके पीछे आगे होने वाली अनहोनी परिस्थितियों से बचाव की सोच होती है, मगर जिसे टोका जाता है उसे ऐसी परिस्थियों का ऐहसास नहीं होता। और वे अपनी मनमानी कर परेशानियों में फंस जाते हैं। कहते हैं जिस घर में बड़ों की अनसुनी की जाती है वे बहुत जल्दी ही बिखर जाते हैं और उस बिखराव के पीछे होती है सबसे पहले पत्नी जो अपने पति की बात को नहीं सुनती और नहीं मानती है। वह अपने आपको ही समझदार और जिम्मेदार मान बैठती है परिणामस्वरूप उसके अहंकार के चलते धीरे-धीरे सब कुछ नष्ट हो जाता है उसके बाद भी उसे समझ नहीं आता और वह दूसरों में ही दोष ढूंढ़ती रहती है। दुनिया में ऐसे बहुत से लोग हैं जिन्हें हमेशा यही बात कचोटती रहती है कि हमें कोई रोकने-टोकने वाला ही नहीं है। जिस तरह खुरदरे और बेडोल पत्थर को टांच-टांच कर सुन्दर मूर्ति बना दी जाती है जिसे लोग पूजते हैं अपना माथा उसके चरणों में नवाते हैं। इसी तरह रोक-टोक को समझे और माने तो बिना वजह आने वाली परेशानियों से बचा जा सकता है घर में अनुशासन भी रहता है, मगर जहां इन बातों को नजरंदाज किया जाता है वहां तो अशांति ही अशांति है।

shivdayalmishra@gmail.com

धनखड 19 नवम्बर को खेतड़ी आएंगे

भीलवाड़ा @ जागरूक जनता। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 19 नवंबर को राजस्थान के झुंझनूं जिले के खेतड़ी आयेंगे। धनखड़ यहां होने वाले विवेकानंद संदेश यात्रा राजस्थान के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि होंगे।

राहुल की भारत जोड़ो यात्रा 3 दिसम्बर को राजस्थान में करेगी प्रवेश-शास्त्री

जयपुर @ जागरूक जनता। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा आगामी तीन दिसम्बर को राजस्थान में प्रवेश करेगी और प्रदेश में यह विभिन्न जिलों में 17-18 दिन में पूरी होगी। भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान के मीडिया चेयरमैन विभाकर शास्त्री ने यहां पत्रकारों को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पहले इस यात्रा के छह दिसम्बर को राजस्थान में प्रवेश करने का कार्यक्रम था लेकिन अब यह तीन दिसम्बर को मध्यप्रदेश के बाद झालावाड़ जिले से प्रदेश में प्रवेश करेगी। उन्होंने कहा कि गुजरात चुनाव के चलते राहुल गांधी यात्रा को बीच में छोड़कर गुजरात में चुनाव प्रचार के लिए भी जायेंगे। इसलिए यह यात्रा राजस्थान में तीन दिन पहले आ जायेगी।

देश दुनिया में दिखा साल का आखिरी चन्द्रग्रहण

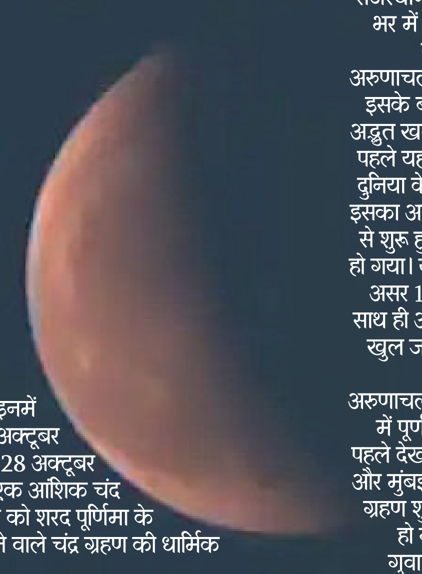

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। राजस्थान, यूपी, बिहार, दिल्ली समेत देश भर में मंगलवार शाम चंद्र ग्रहण का नजारा दिखा। सबसे पहले यह अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में दिखा। इसके बाद देश के अन्य हिस्सों में यह अद्भुत खगोलीय घटना दिखी। भारत से पहले यह नजारा चीन, अमेरिका समेत दुनिया के कई देशों में दिखा। भारत में इसका असर मंगलवार शाम 4.23 बजे से शुरू हुआ जो शाम 6.19 बजे समाप्त हो गया। यानी कुल मिलाकर ग्रहण का असर 1 घंटे 56 मिनट ही रहा। इसके साथ ही अब देशभर में मंदिरों के कपाट खुल जाएंगे और विधिवत आरती और पूजा शुरू हो जाएगी। भारत में अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर में पूर्ण ग्रहण के साथ चंद्रोदय सबसे पहले देखा गया। दिल्ली में 5.28 बजे से और मुंबई में 6.01 बजे से आंशिक चंद्र ग्रहण शुरू हुआ। यह 6.19 बजे खत्म हो गया। इसके अलावा असम के गुवाहाटी, कोलकाता, रांची, पटना, लखनऊ में आंशिक तौर पर ही देखा गया।

2023 में होंगे 4 ग्रहण

2023 में कुल चार ग्रहण होंगे। इनमें दो सूर्य ग्रहण 20 अप्रैल और 14 अक्टूबर को और दो चंद्र ग्रहण 5 मई और 28 अक्टूबर को पड़ेंगे। हालांकि देश में सिर्फ एक आंशिक चंद ग्रहण ही दिखेगा जो 28 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा के दिन होगा। 5 मई 2023 को पड़ने वाले चंद्र ग्रहण की धार्मिक मान्यता नहीं होगी।

@ वाराणसी में चंद्र ग्रहण के दौरान नीले आसमान में चांद आधा दिखा।

जयपुर में बादलों ने घेरा चन्द्रमा

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान में सबसे पहले धौलपुर में 5.28 बजे दिखा। जयपुर में शाम 5.37 बजे चंद्र ग्रहण दिखाई दिया। आसमान में बादल छाने से चंद्रग्रहण देखने में परेशानी हुई। दौसा, धौलपुर, सवाई माधोपुर में भी बादल छाए रहे। सीकर में बारिश हुई। सूतक चंद्र ग्रहण लगने से करीब 9 घंटे पहले ही सुबह 6.45 से शुरू हो गया था। यह शाम 6 बजकर 19 मिनट तक रहा।

हिंदू शब्द को गंदा कहने वाले नेता बयान पर अड़े

कहा- गलत साबित करो, विधायकी छोड़ दूंगा

बेंगलुरु। कर्नाटक कांग्रेस विधायक सतीश जारकीहोली ने हिंदू शब्द को फारसी उत्पत्ति का बताने वाले बयान के लिए माफी मांगने से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा है कि अगर कोई उन्हें गलत साबित कर दे तो वे विधायक पद से इस्तीफा देने को तैयार हैं। एक दिन पहले ही उन्होंने कहा था कि हिंदू शब्द फारस से आया है और इसका मतलब बेहद शर्मनाक है। इसका मतलब जाने बिना हिंदू शब्द को अहमियत दी जा रही है।

वीडियो स्टेटमेंट में कल की बात दोहराई

एक वीडियो स्टेटमेंट जारी करके उन्होंने कहा- 'मैंने जो कहा उसमें कुछ भी गलत नहीं है। ऐसे हजारों रिकॉर्ड मौजूद हैं जिसमें लिखा है कि ये फारसी शब्द (हिंदू) कैसे बना। स्वामी दयानंद सरस्वती की किताब सत्यार्थ प्रकाश, डॉ जीएस पाटिल की किताब बसव भारत और बाल गंगाधर तिलक के केसरी अखबार में भी इसका जिक्र मिलता है। ये तो सिर्फ कुछ उदाहरण हैं, ऐसे कई आर्टिकल विकीपीडिया या दूसरी वेबसाइट्स पर मौजूद हैं। आपको उन्हें पढ़ना चाहिए।' मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अगर कोई उन्हें गलत साबित कर देता है तो वे न सिर्फ अपने इस बयान के लिए माफी मांगेंगे, बल्कि अपने विधायक पद से भी इस्तीफा दे देंगे।

कांग्रेस के चुनाव घोषणा पत्र में गहलोत सरकार की एक दर्जन योजनाएं होंगी शामिल

गुजरात में दिखेगी राजस्थान की झलक

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। गुजरात में अगले माह होने जा रहे विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस पार्टी गुजरात के मतदाताओं को लुभाने के लिए इस बार एड़ी- चोटी का जोर लगाए हुए हैं। लोकलुभावन घोषणाओं के जरिए कांग्रेस गुजरात के मतदाताओं को का ध्यान आकर्षित करना चाहती है। यही वजह है कि गुजरात से सटे राजस्थान की गहलोत सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं को इस बार गुजरात के चुनाव घोषणा पत्र में शामिल करने की तैयारी है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी ट्वीट करके इसके संकेत दिए हैं। बताया जा रहा है कि गहलोत सरकार की एक दर्जन से ज्यादा योजनाओं को गुजरात चुनाव की घोषणा पत्र में शामिल किया जा रहा है। संभवतः इसी सप्ताह गुजरात कांग्रेस का चुनाव घोषणा पत्र जारी हो सकता है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी पूर्व में दे चुके हैं संकेत

इससे पहले गुजरात दौरे पर गए राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी इस बात के संकेत दे चुके हैं कि राजस्थान की लोक कल्याणकारी योजनाओं को गुजरात कांग्रेस के चुनाव घोषणा पत्र में शामिल किया जाएगा। गुजरात में कांग्रेस की सरकार बनती है तो फिर राजस्थान की तर्ज पर गुजरात में भी इन योजनाओं को लागू किया जाएगा।

ये योजनाएं होंगी गुजरात चुनावी घोषणा पत्र में शामिल

दरअलल गहलोत सरकार की जिन प्रमुख योजनाओं को गुजरात कांग्रेस के चुनाव घोषणा पत्र में शामिल किया जा रहा है उनमें चिरंजीवी योजना, मुफ्त दवा योजना, निःशुल्क जांच योजना, जननी सुरक्षा योजना, वृद्धावस्था पेंशन, इंदिरा रसोई योजना, शहरी रोजगार गारंटी योजना, महिलाओं को मुफ्त स्मार्टफोन योजना, और अंग्रेजी माध्यम के सरकारी स्कूल जैसे प्रमुख बिंदुओं को गुजरात कांग्रेस के चुनाव घोषणा पत्र में शामिल कराया जा रहा है। वहीं राजस्थान की गहलोत सरकार की ओर से कर्मचारियों के लिए ओल्ड पेंशन स्कीम लागू किए जाने का फॉर्मूला गुजरात कांग्रेस का चुनाव घोषणा पत्र में भी शामिल कराया जाएगा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी ट्वीट करके गुजरात में सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना लागू करने के संकेत दिए हैं। इसके अलावा किसानों की कर्ज माफी और किसानों के बिजली के बिल माफ करने जैसे बिंदु भी चुनाव घोषणापत्र में शामिल किए जाएंगे।गौरतलब है कि गुजरात विधानसभा चुनाव इस बार दो चरणों में आयोजित होने होने जा रहा है पहले चरण के लिए मतदान 1 दिसंबर और दूसरे चरण के लिए मतदान 5 दिसंबर को होगा 8 दिसंबर को चुनाव परिणाम जारी किया जाएगा।

गुजरात : कांग्रेस के राठवा ने दिया इस्तीफा, भाजपा में हुए शामिल

अहमदाबाद @ जागरूक जनता। गुजरात में विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान जोरों पर है। प्रचार के साथ-साथ पुराने और स्थापित नेताओं के इस्तीफे का दौर भी जारी है। इसी कड़ी में आज कांग्रेस को एक बड़ा झटका लगा है। गुजरात के छोटा उदयपुर से 11 बार विधायक रह चुके मोहन सिंह राठवा ने इस्तीफा दे दिया है। कांग्रेस छोड़ने के कुछ ही देर बाद वो बीजेपी में शामिल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार राठवा पिछले काफी दिनों से पार्टी से नाराज चल रहे थे। इससे मई में चुनाव न लड़ने की बात कही थी। राठवा का कहना है कि वो अब बुजुर्ग हो गए हैं और युवाओं को मौका देना चाहते हैं। कहा ये भी जा रहा है कि मोहन सिंह अब अपने बेटे राजेंद्र सिंह राठवा को सत्ता सौंपना चाहते हैं, जो पिछले कुछ समय से राजनीति में सरि य हैं। लेकिन कांग्रेस से उनके बेटे को टिकट मिलने की उम्मीद कम थी।

3 साल बाद एमपी या कर्नाटक से होगी शुरुआत

भारत में अंतरिक्ष की सैर कराई जाएगी

मुंबई @ जागरूक जनता। एलन मस्क की स्पेस एक्स और जेफ बेजोस की ब्लू ओरिजिन की तरह एक भारतीय कंपनी भी स्पेस टूरिज्म की तैयारी कर रही है। स्पेस औरा एरोस्पेस टेक्नोलॉजी कंपनी ने देहरादून में इसी महीने हुई साइंस एग्जिबिशन में इसका मॉडल पेश किया है। कंपनी ने बताया कि वो बैलून और कैप्सूल के जरिए लोगों को स्पेस की सैर कराएगी। 2025 तक लॉन्चिंग का प्लान है। टिकट की कीमत 50 लाख रुपए हो सकती है।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज

ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

- »मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
- »सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
- »असाध्य घाव/शुगर के घाव
- »कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
- »अचानक बहरापन (Hearing Loss)
- »डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133

डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सैन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.com

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित | जागरूक जनता www.jagrukjanta.net | बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 फोन : 0141-3587886 | सम्पर्क करें | विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए 9928022718 jagrukjantanews@gmail.com | समाचार प्रकाशित करवाने के लिए 9829329070 jagrukjantanews@gmail.com

जागरूक खबरें

■ दीदी माँ साध्वी ऋतम्भरा को मातारानी की तस्वीर की भेट

जयपुर @ जागरूक जनता। अग्रसेन पार्क में हो रही श्रीमद भागवत कथा वाचक आदरणीय पूज्य दीदी माँ साध्वी ऋतम्भरा जी का पावन सानिध्य प्राप्त हुआ। श्री जगदम्बा मातेश्वरी मन्दिर समिति नया खेड़ा के अध्यक्ष भवर सिंह उग्रावत भाजपा युवा मोर्चा महामंत्री मुकुल सिंह साँचोरा ने मातारानी की प्रतीक चिन्ह भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

■ रावत स्कूल के बच्चों का योगा में राष्ट्रीय स्तर पर श्रेष्ठ प्रदर्शन

जयपुर @ जागरूक जनता। रावत पब्लिक स्कूल, प्रताप नगर के विद्यार्थियों ने अपना योग में श्रेष्ठता का रिकॉर्ड बनाए रखते हुए योग फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित छठे फेडरेशन योगासन स्पोर्ट्स कप, 2022 (ऑनलाइन) में भाग लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में उर्वशी ढुंडारा एवं सिद्धि जाड़ोंन ने रिदमिक योगासना में तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी के साथ पंजाब योगा एसोसिएशन द्वारा आयोजित सब जूनियर, जूनियर नेशनल योगासना स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में जिसमे 1000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। विद्यालय की उर्वशी ढुंडारा एवं गुंजन अधिकारी ने गोल्ड मेडल और मुस्कान इसरानी और सिद्धि जाडॉन ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। रावत एजुकेशनल ग्रुप के निदेशक नरेंद्र सिंह रावत ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व भी विद्यार्थियों ने अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेकर श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। उन्होंने ये भी बताया कि विद्यार्थी जयपुर के ऐतिहासिक स्मारकों अल्बर्ट हॉल, और हवामहल पर भी अपना प्रदर्शन कर चुके हैं।

अतिरिक्त कोच जोड़े

जयपुर @ जागरूक जनता। ट्रेनों में बढ़ रहे यात्रीभार को देखते हुए रेलवे ने ट्रेनों में अतिरिक्त कोच जोडने का निर्णय किया है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार भगत की कोठी-दादर, बीकानेर-दादर, श्रीगंगानगर- बांद्रा टर्मिनस, दुर्ग-अजमेर, किशनगंज-अजमेर ट्रेन में विभिन्न श्रेणी में अतिरिक्त कोच जोड़े हैं।

देश के पहले हाई स्पीड रेलवे टेस्ट ट्रैक का ट्रायल शुरू, नावां में 5 किमी रूट पर दौड़ी ट्रेन

जल्द दौड़ती नजर आएगी वंदेभारत समेत अन्य हाई स्पीड ट्रेनें

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर-जोधपुर रेलमार्ग पर नावां के समीप बन रहे देश के पहले हाई स्पीड रेलवे टेस्ट ट्रैक का ट्रायल शुरू हो गया है। हाल ही इस ट्रैक पर हाई स्पीड में ट्रेन भी दौड़ाई गई है। आगामी दिनों में यहां वंदेभारत समेत अन्य हाई स्पीड ट्रेनें दौड़ती नजर आएंगी।

दरअसल, अमरीका-ऑस्ट्रेलिया की तर्ज पर 200 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हाई स्पीड रेग्यूलर व गुड्स वैगन के ट्रायल के लिए जयपुर-जोधपुर रेलमार्ग पर देश का पहला हाई स्पीड रेलवे टेस्ट ट्रैक बनाया जा रहा है। करीब 819.90 करोड़ की लागत से 59 किमी लंबा ट्रैक नावां के समीप गुढ़ा-ठठाना मीठड़ी तक बिछाया जा रहा है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार यह ट्रैक दिसम्बर 2024 तक तैयार हो जाएगा। इसे दो फेज में पूरा किया जाएगा।

ट्रैक पर हाई स्पीड ट्रेन का ट्रायल किया गया। इस दौरान गति मापक यंत्र का उपयोग किया गया। (इनसेट में)

पहले फेज का 25 किमी ट्रैक का काम अंतिम चरण में चल रहा है। इसका 5 किमी लंबा ट्रैक बनकर तैयार भी हो गया है। इस पर आरडीएसओ लखनऊ ने ट्रायल भी शुरू कर दिया है। गत दिनों इस ट्रैक पर हाई स्पीड में ट्रेन भी दौड़ाई गई। आगामी दिनों में 5 किमी ट्रैक और खोल दिया जाएगा। उस पर भी ट्रायल शुरू हो जाएगा।

यह कीर्तिमान से कम नहीं

ट्रैक की जांच के लिए ट्रायल शुरू किया गया है। इसका काम तेजी से चल रहा है। इसके तैयार होने के बाद यहां हाई स्पीड ट्रेनों का ट्रायल होगा। यह कीर्तिमान से कम नहीं है।

-कैप्टन शशिकिरण,
सीपीआरओ, उत्तर पश्चिम रेलवे

डॉ. प्रिया की 'जिंदगी खूबसूरत है' अमेजन पर उपलबध

जयपुर @ जागरूक जनता। लेखिका एवं चित्रकार एडवोकेट डॉं. प्रिया शर्मा द्वारा संकलित 'जिंदगी खूबसूरत है' एक

अनुपम काव्य संग्रह हैं। इस पुस्तक का प्रकाशन अपेक्षा पब्लिकेशन ने किया है। पुस्तक में 20 सह लेखकों ने अपना विशेष योगदान दिया है। प्रस्तुत काव्य संग्रह में वर्तमान समय को दृष्टिगत रखते हुए पाठकों की मनोदशा को चित्रित करने का सफलतम प्रयास इस पुस्तक के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। यह पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

4 साल में जेसीटीएसएल के 16 व मेट्रो के 11 एमडी बदले, मेट्रो के 4 प्रोजेक्ट फेल

लो फ्लोर 400 से 200 ही बचीं

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। शहर के पब्लिक ट्रांसपोर्ट में अहम भूमिका निभाने वाली मेट्रो और जेसीटीएसएल कांग्रेस सरकार के चार साल के कार्यकाल में 'बैक गियर' में हैं। सरकार सीधे-सीधे जनता से जुड़े इन दो विभागों को कितने 'हल्के' में ले रही है...इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि मेट्रो के 11 और जेसीटीएसएल के 16 एमडी बदल दिए गए। यानी औसतन हर तीन महीने में एमडी बदले गए और हर एक को सिर्फ 70 दिन ही काम करने के लिए मिले हैं। इसका नतीजा यह रहा कि दोनों की विभागों में 4 साल में एक भी प्रोजेक्ट फाइलों से बाहर नहीं निकल सका।

मेट्रो : 3 डीपीआर बनी, पैसा एक का भी नहीं

4 साल में तीन प्रोजेक्ट की डीपीआर बनी पर किसी प्रोजेक्ट के लिए राशि नहीं मिली। यह हालत तब है जब सीएम बगरू, चौमूं, चाकसू और बस्सी में लाइट मेट्रो की घोषणा कर चुके हैं। इसी सरकार में सीतापुरा से अंबाबाड़ी के बीच 23 किमी में मेट्रो की चार बार डीपीआर बन चुकी है। लागत 10 हजार करोड़ से 4500 करोड़ तक लाने के बाद भी फंड नहीं मिला। एक साल पहले फेज-1 सी- बड़ी चौपड़ से ट्रांसपोर्ट नगर और फेज-1डी - मानसरोवर मेट्रो स्टेशन से अजमेर रोड एक्सप्रेस हाइवे की डीपीआर बन चुकी है। दोनों पर 1185 करोड़ खर्च होंगे। फेज-1सी के 400 करोड़ के प्रोजेक्ट के लिए सिर्फ 200 करोड़ रुपए देने की घोषणा की गई है। सीतापुरा से अंबाबाड़ी की पांचवीं बार डीपीआर बनाने की घोषणा हो चुकी है।

100 इलेक्ट्रिक बस खरीदने का प्रोजेक्ट फेल

शहर की आबादी 60 लाख है। यहां 2500 बसें होनी चाहिए, पर बसें कम हो रही हैं। जनवरी में लो फ्लोर बसें 400 से 200 हो जाएंगी। केंद्र की योजना के तहत मिलने वाली 100 इलेक्ट्रिक बसों का प्रोजेक्ट भी फेल हो चुका है। सरकार से सहयोग नहीं मिलने से तीन साल बाद भी इलेक्ट्रिक बसें नहीं आ सकीं। यह स्थिति तो तब है जबकि जेसीटीएसएल टेंडर कर चुका है, लेकिन एमडी बदलने की वजह से अधिकारी ऑब्जेक्शन करते रहे। गौरतलब है कि जेसीटीएसएल में चार साल सुरेश ओला, श्यामलाल गुर्जर, वीरेंद्र वर्मा, श्यामलाल गुर्जर, नरेंद्र कुमार गुप्ता, वीरेंद्र वर्मा, नरेंद्र कुमार गुप्ता, नवीन जैन, वीरेंद्र वर्मा, यज्ञमित्र सिंह देव, वीरेंद्र वर्मा, लोकबंधु, डॉ. प्रतिभा सिंह, राजेंद्र किशन, डॉ. जोगाराम, अजिताभ शर्मा एमडी रहे।

सार्वजनिक परिवहन

अभी शहर में जेसीटीएसएल की 300 बसों का ही संचालन हो रहा है। जबकि, आबादी और बढ़ते शहर के अनुसार 2500 बसें होनी चाहिए। 300 बसों में से भी सौ बसें अगले वर्ष मार्च तक बेड़े से बाहर हो जाएंगी। ऐसे में सड़क पर केवल 200 बसें ही बचेंगी। एक हजार बसें आने के बाद भी पूरे शहर के लिए पर्याप्त संख्या में बसें नहीं मिल पाएंगी।

मेट्रो फेज-2

मेट्रो के फेज 2 पर केंद्र और राज्य सरकार में विवाद है। यदि दोनों सरकारें आपसी तालमेल से मेट्रो विस्तार पर काम करें तो शहरवासियों का काफी लाभ मिल सकता है। राज्य सरकार बजट न होने की वजह से इस प्रोजेक्ट को धरातल पर नहीं उतार पा रही है।

छोटे भूखण्डधारियों को बड़ी राहत

120 वर्गमीटर तक के भूखण्डों के नियमन दरें 9 गुना कम कीं

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में कृषि भूमि पर बसी कॉलोनियों के छोटे भूखण्डधारियों को सरकार ने बड़ी राहत दी है। सरकार ने प्रशासन शहरों के संग अभियान के दौरान 120 वर्गमीटर तक के भूखण्डों (प्लॉट्स) की नियमन दरों को 9 गुना तक कम किया है। इसका फायदा केवल नगर पालिका एरिया में बसी कॉलोनियों पर ही लागू होगा। जबकि यूआईटी, विकास प्राधिकरण, नगर निगम या नगर परिषद एरिया में नियमन दरें पुरानी ही लागू रहेगी। नगरीय विकास विभाग की ओर से जारी एक नोटिफिकेशन में आज प्रीमियम दरों का निर्धारण करते हुए इन्हें 50 रुपए प्रति वर्गमीटर से घटाकर 5 रुपए प्रति वर्गमीटर कर दिया है। आपको बता दें कि राजस्थान में 170 से ज्यादा नगर पालिकाएं हैं, जिनमें सैकड़ों कॉलोनियां ऐसी बसी है, जो सरकार की बिना अनुमति लिए और कृषि भूमि का बिना कर्न्वजन (90) करवाए ही बसाई जा चुकी है। इन कॉलोनियों का नियमन सरकार अब प्रशासन शहरों के संग अभियान के दौरान कर रही है।

क्या है प्रीमियम दरें

किसी भी नगर पालिका एरिया में कोई कॉलोनी जो बिना कन्वर्जन करवाए कृषि भूमि पर बसी है उन कॉलोनियों के नियमन पर लगने वाला शुल्क है। ये प्रीमियम शुल्क कर्न्वजन दर के रूप में वसूला जाएगा। साल 2021 तक बसी कॉलोनियों पर ये नियम लागू होगा। प्रीमियम दरों के अलावा नियमन विकास शुल्क, लीज मनी, बिल्डिंग प्लान अप्रूवल शुल्क अलग से लगेगा।

120 वर्गमीटर से बड़े भूखण्ड पर लगेगा 50 रुपए शुल्क

अधिसूचना के तहत 120 वर्गमीटर तक के भूखण्ड जो नगर पालिका एरिया में आ रहे है उन पर प्रीमियम शुल्क 5 रुपए प्रति वर्गमीटर लगेगा। 120 वर्गमीटर से अगर बड़ा भूखण्ड है तो उन पर प्रीमियम शुल्क 50 रुपए ही लगेगा।

नगर निगम और नगर परिषद क्षेत्र में अलग-अलग शुल्क

प्रशासन शहरों के संग अभियान के दौरान सरकार ने प्रीमियम दरों का नये सिरे से निर्धारण 22 सितम्बर को किया था। उस समय 500 वर्गमीटर तक के भूखण्डों पर नगर निगम, विकास प्राधिकरण और यूआईटी एरिया में 100 रुपए, नगर परिषद क्षेत्र में 75 रुपए और नगर पालिका क्षेत्र में 50 रुपए प्रति वर्गमीटर रखा गया था।

जयपुर शहर भिक्षावृत्ति मुक्त अभियान 14 से

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने कहा कि जयपुर शहर को भिक्षावृत्ति से मुक्त करने के लिये आगामी 14 नवम्बर से विशेष अभियान प्रारम्भ किया जायेगा। अभियान के दौरान भिक्षावृत्ति में लिप्त व्यक्तियों को समझाइश करके हटाया जायेगा। इस दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा अभियान के दौरान आवश्यक कार्यवाही की जायेगी।

जिला कलक्टर को कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित भिक्षावृति उन्मूलन से संबंधित बैठक के दौरान उपस्थित अधिकारियों को दिशा-निर्देश प्रदान कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सड़क, चौराहे, धार्मिक स्थलों, रेल्वे स्टेशन, बस स्टैण्ड एवं अन्य स्थलों पर भिक्षावृत्ति में लिप्त व्यक्तियों, बच्चों एवं परिवारों की सूचना ट्रैफिक एवं अन्य पुलिस कार्मिकों द्वारा जिला प्रशासन एवं चयनित एनजीओ को प्रदान की जाए। भिक्षावृत्ति में लिप्त लोगों की सूचना मानव सेवा संस्थान द्वारा संचालित हेल्पलाइन नम्बर - 9783301302 पर दी जा सकती है। जिला कलक्टर ने कहा कि पुनर्वास गृहों की साफ-सफाई करवाकर आधारभूत सुविधाओं की पुख्ता व्यवस्था करते हुये इन्दिरा रसोई योजना से लिंक करवाया जाना सुनिश्चित करें जिससे भिखारियों एवं निर्धन व्यक्तियों को भोजन के लिये इधर-उधर भटकना ना पड़े।

उन्होंने कहा कि भिखारियों एवं निर्धन व्यक्तियों को इन्दिरा गांधी शहरी रोजगार गारन्टी योजना में पंजीकृत करवाकर उन्हें रोजगार उपलब्ध करवाया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि भिक्षावृत्ति में लिप्त बच्चों को बाल एवं निराश्रित गृहों में प्रवेश दिलाकर आरटीई एक्ट के तहत स्थानीय विद्यालयों में प्रवेश दिलवाया जाना सुनिश्चित करें।

ANCHOR | **बाड़ाबंदी / उपचुनाव**

कांग्रेसी पढ़ रहे हनुमान चालिसा, भाजपाईयों ने किया सुंदरकांड

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर नगर निगम ग्रेटर में मेयर पद पर वोटिंग के लिए अब केवल 2 दिन बचे हैं। दोनों ही पार्टियों के पार्षद अपने-अपने उम्मीदवार की जीत के लिए भगवान की शरण में जाकर उनका स्मरण करने लग गए हैं। चौमूं पैलेस में मौजूद भाजपा के पार्षदों ने रामधुनी कर सुंदरकांड के पाठ का पाठ किया, तो दूसरी कांग्रेस के पार्षद ने आज सुबह हनुमान चालीसा का पाठ करके अपने प्रत्याशी का बेड़ा पार लगाने की मनोकामना की। दो दिन तक स्वीमिंग पूल में नहाने, अंताक्षरी, क्रिकेट जैसे खेल खेलकर अपना समय बिताने वाले पार्षदों की दिनचर्या में अब बदलाव आ गया है। अब वो दिन की शुरुआत पूल में न करके योग और भगवान की भक्ति के साथ कर रहे है। कांग्रेस के पार्षद जो दो दिन से लगातार होटल में मौज-मस्ती कर रहे हैं। उन्होंने आज सुबह योगासान के बाद हनुमान चालीसा का पाठ किया। इधर भाजपा के पार्षदों ने सत्संग के साथ सुंदरकांड का पाठ किया।इस दौरान भाजपा के विधायक और प्रदेश प्रवक्ता रामलाल शर्मा ने हनुमान चालीसा पढ़ने पर कांग्रेस पर तंज कसा। उन्होंने कहा- ये वहीं कांग्रेस है जो कभी राम के अस्तित्व को मानती नहीं थी। आज वोट बैंक की राजनीति के लिए उन्हें राम और हनुमान दोनों को मानना पड़ा।

चाय, डिनर के जरिए पार्षदों को साधने का प्रयास

बाड़ेबंदी के दौरान ही आज सुबह एक अलग ही नजारा देखने को मिला। चौमूं पैलेस में आज सुबह मेयर प्रत्याशी रश्मि सैनी ने खुद ने सभी पार्षदों को चाय बनाकर पिलाई। इस दौरान अन्य दूसरे पार्षदों ने भी सैनी का चाय बनाने में सहयोग दिया। होटल में स्थित खुले चौक में उन्होंने चाय की एक टपरी तैयार की और वहां गैस-चूल्हे पर चाय बनाकर पार्षदों को दी। इससे पहले पार्षदों की नाराजगी को दूर करने और उनके समर्थन को हासिल करने के लिए सैनी उनके साथ लंच-डिनर भी करती दिखी थी।

मॉक वोटिंग करवाकर दिया प्रशिक्षण

10 नवंबर को वोटिंग होनी है, ऐसे में कोई भी पार्षद वोट देते समय गलती न करें इसके लिए बाड़ेबंदी के दौरान मॉक पोलिंग करवाई गई। पार्षदों से वोट डलवाए गए। उनके बैलेट पेपर भी वैसे ही दिए गए, जैसे निर्वाचन आयोग ने चुनाव के लिए छपवाए है। इस मॉक पोल में 93 में से 84 पार्षदों ने वोटिंग की और उनमें सभी के वोट सही रहे। भाजपा विधायक रामलाल शर्मा ने बताया कि मॉक वोटिंग का उदेश्य पार्षदों को मेयर चुनाव का प्रशिक्षण देना है, ताकि वोटिंग के दौरान कोई पार्षद गलती न करें।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब सनातन संस्कृति पर आना ही पड़ेगा। अगर कांग्रेस सनातन संस्कृति पर नहीं आती है तो उसका अस्तित्व भी इस देश में बचने वाला नहीं है।इधर चुनावी समीकरण देखे तो भाजपा के राहत की बात ये है कि लगभग सभी पार्षद अब बाड़ेबंदी में पहुंच चुके है। ऐसे में भाजपा प्रत्याशी का जीतना लगभग तय माना जा रहा है, क्योंकि भाजपा के पास बहुमत से ज्यादा वोट है। जीत के लिए प्रत्याशी को 146 में से 74 वोट चाहिए, जबकि भाजपा के पास पार्षदों की संख्या 93 है।

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए जारी रहेगा 10 फीसदी आरक्षण

सुप्रीम कोर्ट ने ईडब्ल्यूएस कोटे पर 3-2 से लगाई मुहर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

उच्चतम न्यायालय ने सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को 10 फीसदी आरक्षण के प्रावधान को बरकरार रखा है। पांच जजों की बेंच में तीन जजों (जस्टिस दिनेश माहेश्वरी, जस्टिस बेला त्रिवेदी और जस्टिस जेबी पारदीवाला) ने ईडब्ल्यूएस के समर्थन में फैसला सुनाया। उच्चतम न्यायालय ने दो के मुकाबले तीन मतों के बहुमत से सुनाए गए फैसले में दाखिलों और सरकारी नौकरियों में ईडब्ल्यूएस के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान करने वाले 103वें संविधान संशोधन को सही माना।

शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में कहा कि ईडब्ल्यूएस आरक्षण संविधान के बुनियादी ढांचे का उल्लंघन नहीं करता। सुनवाई की शुरुआत में प्रधान न्यायाधीश यूयू ललित ने कहा कि ईडब्ल्यूएस आरक्षण को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर चार विभिन्न फैसले हैं। न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी ने अपना निर्णय पढ़ते हुए कहा कि 103वें संविधान संशोधन को संविधान के मूल ढांचे को भंग करने वाला नहीं कहा जा सकता। न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी ने कहा कि 103वें संविधान संशोधन को भेदभाव के आधार पर रद्द नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला ने उनके विचारों से सहमति जताई और संशोधन की वैधता को बरकरार रखा।

पक्ष में: जस्टिस दिनेश माहेश्वरी | विपक्ष में: जस्टिस रवींद्र भट | विपक्ष में: सीजेआई यूयू ललित | पक्ष में: जस्टिस बेला त्रिवेदी | पक्ष में: जस्टिस जेबी पारदीवाला

खास बातें

- उच्चतम न्यायालय ने सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को 10 फीसदी आरक्षण के प्रावधान को बरकरार रखा है।
- न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी ने ईडब्ल्यूएस आरक्षण संबंधी 103वें संविधान संशोधन को सही मानते हुए कहा कि यह संविधान के बुनियादी ढांचे का उल्लंघन नहीं करता है।

न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट ने ईडब्ल्यूएस आरक्षण संबंधी संविधान संशोधन पर असहमति जताई और इसे रद्द किया। न्यायमूर्ति भट ने अपना अल्पमत का विचार पेश करते हुए कहा कि आरक्षण संबंधी 50 प्रतिशत की सीमा का उल्लंघन नहीं किया जा सकता और ईडब्ल्यूएस आरक्षण को समाप्त करना होगा। प्रधान न्यायाधीश ललित ने न्यायमूर्ति भट के विचार से सहमति व्यक्त की।

न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी ने ईडब्ल्यूएस आरक्षण संबंधी 103वें संविधान संशोधन को सही मानते हुए कहा कि यह संविधान के बुनियादी ढांचे का उल्लंघन नहीं करता है।

जागरूक खबरें

पीजी : कार्यमुक्त होंगे 750 चिकित्सक

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्य में सरकारी सेवा दे रहे 750 चिकित्सकों को मेडिकल पीजी की पढ़ाई के लिए सरकारी अस्पतालों से कार्यमुक्त किया जाएगा। पीजी काउंसलिंग बोर्ड ने इन चिकित्सकों की सूची चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को भेजी है। इसके बाद निदेशक जनस्वास्थ्य ने सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों, प्रमुख चिकित्सा अधिकारियों और नियंत्रण अधिकारियों को पत्र लिखा है। इन चिकित्सकों के कार्यमुक्त होने से संबंधित अस्पतालों में व्यवस्थाएं प्रभावित होगी।

नीट यूजी 2022 : दूसरे चरण का काउंसलिंग कार्यक्रम जारी

जयपुर @ जागरूक जनता। आरयूएचएस कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज (गवर्नमेंट डेंटल कॉलेज) ने राजस्थान नीट यूजी 2022 (एमबीबीएस और बीडीएस) पाठ्यर्‍ मों के लिए काउंसलिंग के दूसरे चरण का कार्यक्रम जारी कर दिया है। पहले चरण के बाद सीट मैट्रिक्स मंगलवार को जारी करने के साथ इसी दिन दूसरे चरण के लिए आवेदन किए जा सकेंगे। 8 से 11 नवंबर सायं 4 बजे तक आवेदन शुल्क का भुगतान होगा। जिन छात्रों ने पहले ही पंजीकरण करा लिया है उन्हें दोबारा आवेदन करने की जरूरत नहीं है। आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 11 नवंबर रात 11:45 बजे तक है। राज्य, पीडब्ल्यूडी, रक्षा-पीएम, एमबीसी, ईडब्ल्यूएस, एससी, एसटी, एसटीए और एनआरआई कोटे के लिए अंतिम मेरिट सूची 12 नवंबर को आएगी। सीट मैट्रिक्स 13 नवंबर को जारी होगी। आरयूएचएस कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज में बोर्ड के समक्ष सभी मूल दस्तावेज जमा करने के साथ मेरिट के आधार पर सीट आवंटन 14 से 19 नवंबर तक होगा।

प्रदेश में पौने दो करोड़ आबादी को मिलेगा लाभ

जयपुर @ जागरूक जनता। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को दस प्रतिशत आरक्षण को वैध ठहराने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश को प्रदेश की करीब पौने दो करोड़ आबादी के हित में बताया जा रहा है। राज्य आर्थिक पिछड़ा वर्ग बोर्ड के अध्यक्ष अनिल शर्मा का कहना है कि प्रदेश में करीब पौने दो करोड़ आबादी आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के दायरे में है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट के आदेश का निश्चित तौर पर इस आबादी को लाभ मिलेगा।बोर्ड ने पिछले दिनों इस वर्ग को आरक्षण का लाभ मिलने में आ रही अड़चनों की ओर सरकार का ध्यान दिलाया। विवाहित महिलाओं के मामले में जो प्रावधान हैं, उनसे महिलाओं को आरक्षण का लाभ मिलने में दिक्कत आ रही है। इस समस्या का समाधान निकलने से विवाहित महिलाओं को आरक्षण का लाभ मिलने में आ रही परेशानियां दूर हो सकेंगी।

राहुल के 8 वचनों में दिखी गहलोत की गुड गवर्नेंस

गुजरात में सरकार बनी तो राहुल गांधी 8 वादे पूरे करेंगे, इनमें से 5 गहलोत की फ्लैगशिप योजनाओं से मोटिवेटेड

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राहुल गांधी ने गुजरात की जनता के लिए जारी किए अपने संदेश में सरकार बनने पर 8 बड़े काम करने के वचन दिए हैं। इन 8 वचनों में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सरकार और उनकी फ्लैगशिप योजनाओं पर एक बार फिर से राहुल के विश्वास की मुहर लग गई है। राहुल ने ट्विटर पर गहलोत सरकार की तारीफ की थी और अब अपने आठ वचनों में गहलोत की फ्लैगशिप योजनाओं को शामिल कर लिया है। इन्हें राहुल ने गुजराती भाषा में 'कांग्रेस ना आठ वचन' और 'कांग्रेस नुं काम बोले छे' नाम दिया है। राहुल के संदेश को गुजरात में पार्टी के चुनाव प्रभारी डॉ. रघु शर्मा ने जारी किया है।इधर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एक बार फिर गुजरात के दौरे पर रवाना हो गए हैं, जहां मंगलवार को वे इन आठ वचनों के बारे में दो बड़ी चुनावी सभाओं में लोगों को जानकारी देंगे। गहलोत गुजरात में पार्टी के सीनियर ऑब्जर्वर भी हैं।हाल ही पिछले डेढ़ महीने से राजस्थान में सरकार और कांग्रेस पार्टी में लगातार राजनीतिक अस्थिरता, इस्तीफा पॉलिटिक्स, मंत्रियों-विधायकों की बयानबाजी के बीच जो माहौल बना हुआ है, उसमें यह बड़ी रोचक बात है कि राहुल गांधी ने अपने आठ वचनों में गहलोत सरकार की 5 फ्लैगशिप योजनाओं को इतना महत्वपूर्ण स्थान दिया है।

यह हैं राहुल के 8 वचन

- » **घर और गृहणियों के लिए :** घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 500 रुपए तक रहेगी और घरेलु बिजली 300 यूनिट तक पूरी तरह से मुफ्त
- » **शिक्षा :** 3000 नए अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोले जाएंगे और प्रत्येक बेरोजगार को 3000 रुपए मासिक भत्ता दिया जाएगा
- » **युवा व कर्मचारी :** 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी जाएगी और सभी सरकारी कर्मचारियों के लिए 2004 से पहले वाली ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) लागू की जाएगी
- » **कोरोना :** मृतकों व पीड़ितों को चार लाख रुपए की सहायता दी जाएगी
- » **सेहत:** राजस्थान की चिरंजीवी योजना की तरह 10 लाख रुपए तक का इलाज मुफ्त व सभी दवाइयां मुफ्त दिए जाने की व्यवस्था होगी
- » **किसान :** सभी किसानों के 3 लाख रुपए तक के कृषि ॠण माफ किए जाएंगे और किसानों के बिजली बिल माफ होंगे
- » **सुरक्षा :** ड्रग माफिया को खत्म किया जाएगा और भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों के लिए होगी कड़ी कार्रवाई
- » **सामाजिक न्याय :** शहरी क्षेत्रों में भी रोजगार गारंटी योजना और इंदिरा रसोई के तहत 8 रुपए प्रति प्लेट की दर से भोजन की व्यवस्था होगी।

8 वचन और गुड गवर्नेंस

- » राजस्थान में गहलोत सरकार चिरंजीवी योजना के तहत 10 लाख रुपए तक का इलाज मुफ्त व मुफ्त दवा योजना चला रही है।
- » हाल ही मुख्यमंत्री गहलोत ने एक अक्टूबर से ग्रामीण क्षेत्र की नरेगा की तर्ज पर राजस्थान में शहरी क्षेत्रों में भी 100 दिन का रोजगार गारंटीड देने की योजना शुरू की है।
- » राजस्थान में जनवरी-2019 से बेरोजगारों को 3000 रुपए प्रतिमाह भत्ता दिया जा रहा है।
- » मुख्यमंत्री गहलोत ने फरवरी 2022 में विधानसभा में पेश किए गए बजट में सरकारी कर्मचारियों के लिए ओल्ड पेंशन स्कीम (2004 से पहले वाली) लागू कर दी है।
- » इंदिरा रसोई योजना भी राजस्थान में लागू है। हाल ही स्वयं मुख्यमंत्री गहलोत ने अपनी प%ी सुनीता गहलोत के साथ जयपुर में इंदिरा रसोई योजना में भोजन भी किया था। इस योजना के तहत राज्य के लगभग सभी शहर-कस्बों में मात्र आठ रुपए प्रति प्लेट की दर से लोगों को भोजन मिलता है।
- » इनके अलावा भी किसानों की कर्ज माफी, अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोलने, बिजली बिल में कटौती जैसे कार्य भी राजस्थान में हो रहे हैं।

राहुल की यात्रा से ठीक पहले आठ वचनों के मायने

राहुल की भारत जोड़ो यात्रा 3 से 4 दिसंबर की मध्य रात्रि तक राजस्थान पहुंचेगी। राजस्थान में सरकार व पार्टी इसकी तैयारी कर रही है। इसी बीच राहुल के गुजरात चुनावों के सन्दर्भ में आठ वचन सामने आए हैं। वे गुजरात चुनाव में जनता को कांग्रेस की उन नीतियों, योजनाओं के भरोसे आकर्षित करना चाहते हैं, जो उसके द्वारा शासित राजस्थान में चल रही हैं। मुख्यमंत्री गहलोत कांग्रेस के सबसे अनुभवी, वरिष्ठ, भरोसेमंद नेताओं में से एक हैं। ऐसे में राहुल ने उनकी योजनाओं पर भरोसा दर्शाया है। राहुल का यह भरोसा कांग्रेस की राजनीति में गहलोत का कद बढ़ाने वाला साबित होगा।

25 लाख राजपूत वोटरों को साधने हिमाचल पहुंचीं सांसद दीया कुमारी

यूथ और गैर राजपूत वोट बैंक पर कांग्रेस की नजर, सचिन पायलट को कमान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के राजसमंद से सांसद और जयपुर के पूर्व राजपरिवार की सदस्य दीया कुमारी हिमाचल प्रदेश में हो रहे विधानसभा चुनाव में बीजेपी प्रत्याशियों के समर्थन में प्रचार करेंगी। राजस्थान के बीजेपी नेताओं में वह इकलौती महिला नेता हैं, जिन्हें हिमाचल प्रदेश के चुनाव प्रचार में उतारा गया है। हिमाचल प्रदेश में बड़ी तादाद में राजपूत वोटर हैं। जिनकी संख्या 32.72 फीसदी यानी 24 लाख 54 हजार के करीब है। हिमाचल प्रदेश में अब तक 6 में से 5 मुख्यमंत्री राजपूत ही रहे हैं। ऐसे में बड़े राजपूत वोट बैंक को साधने के लिए बीजेपी ने राजस्थान की राजपूत समाज से सांसद दीया कुमारी को जिम्मा सौंपा है। दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी ने राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट को गैर राजपूत और यूथ वोटर्स को साधने हिमाचल प्रदेश में ऑब्जर्वर और स्टार प्रचारक के तौर पर भेजा है। दोनों राजस्थान के नेता हिमाचल में अपने-अपने अंदाज में वोटर्स को साधने में जुट गए हैं। दोनों यूथ हैं और युवाओं की पसंद हैं।

दीया कुमारी सर्वाधिक वोटों से जीतने वाली महिला सांसद

2019 लोकसभा चुनाव में दीया कुमारी भारत की सभी महिला प्रत्याशियों में सबसे ज्यादा 5 लाख 51 हजार 916 वोटों से जीती थीं। दीया ने पहला ही लोकसभा चुनाव रिकॉर्ड वोटों से जीतकर संसद में धमाकेदार एंट्री की थी। दीया कुमारी की दादी स्वर्गीय महारानी गायत्री देवी राजस्थान से पहली महिला सांसद चुनी गई थीं। वह 1962 में स्वतंत्र पार्टी की टिकट पर जयपुर से चुनाव जीती थीं। इसके बाद उन्होंने दो बार और लोकसभा का चुनाव जीता।

कांग्रेस ने पायलट को बनाया ऑब्जर्वर और स्टार प्रचारक

कांग्रेस पार्टी ने राजस्थान से सचिन पायलट को हिमाचल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशियों के समर्थन में कैम्पेनिंग का जिम्मा सौंपा है। उन्हें हिमाचल प्रदेश का चुनाव ऑब्जर्वर और स्टार प्रचारक बनाया गया है। पायलट की आज हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले में जुब्बल-कोटखाई विधानसभा क्षेत्र में बड़ी जनसभा है। इसके बाद सोलन जिले के बद्दी में दूव विधानसभा क्षेत्र की जनसभा रखी गई है। कुल्लू जिले के आनी विधानसभा क्षेत्र और मंडी डजेल के सुंदर नगर विधानसभा क्षेत्र में भी पायलट चुनावी जनसभाओं को संबोधित किया।

नाम परिवर्तन

मैं नवीन भूटानी पुत्र हरबंस लाल, पता 2/115, विद्याधर नगर जयपुर (राजस्थान) भारत का निवासी हूँ। मैंने अपना नाम नवीन कुमार पुत्र हरबंस लाल से बदलकर नवीन भूटानी पुत्र हरबंस लाल कर लिया है। मुझे भविष्य में अब इस नाम से ही जाना और पहचाना जाए। मेरा यह कथन सही और सत्य है।
- नवीन भूटानी

राज्यपाल ने की शुरूआत, एक माह तक चलेगा धन संग्रह पर्व

पूर्व सैनिकों की मदद के लिए चलेगा एक माह तक अभियान, आप भी दें सहयोग

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल और सैनिक कल्याण विभाग के संरक्षक कलराज मिश्र ने सोमवार को राजभवन में पूर्व सैनिकों की सहायतार्थ धन सहयोग के लिए निर्मित क्यूआर कोड स्कैन कर अपनी ओर से उसमें धनराशि स्थानांतरित कर इसकी शुरुआत की। प्रदेश में पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों की सहायता के लिए अब आमजन क्यूआर कोड स्कैन कर डिजिटल रूप में धनराशि का सहयोग कर सकेंगे।राज्यपाल मिश्र ने इस अवसर पर कहा कि 'डिजिटल इंडिया अभियान' के तहत नागरिक अब पूर्ण रूप से सुरक्षित रूप में अपनी धनराशि पूर्व सैनिकों और उनके आश्रित परिजनों के लिए स्वेच्छा से सहयोग कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि नागरिकों द्वारा प्रदान की जाने वाली सहयोग राशि से पूर्व सैनिकों, विधवाओं एवं उनके आश्रितों की देखभाल के लिए प्रभावी स्तर पर कार्य होगा। उन्होंने पूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए आमजन को हर संभव सहयोग का आह्वान भी किया। राज्य स्तरीय सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष मानवेन्द्र सिंह जसोल ने बताया कि देशभर में 7 दिसम्बर को सशस्त्र सेना झंडा दिवस मनाया जाता है। इस दिवस पर सशस्त्र सेना के प्रतीक चिन्ह झंडे को बांट कर पूर्व सैनिकों की सहायतार्थ धन संग्रह किया जाता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में इसी संदर्भ में 7 दिसम्बर तक एक माह का धन-संग्रह पर्व मनाये जाने की पहल हुई है। इसके तहत राज्य के हरेक जिले में आमजन को प्रेरित कर पूर्व सैनिकों के कल्याणार्थ सहायता राशि एकत्र की जाएगी। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव सुबीर कुमार, प्रमुख विशेषाधिकारी गोविन्दराम जायसवाल, सैनिक कल्याण विभाग के निदेशक ब्रिगेडियर बी.एस. राठौड़, बैंक ऑफ बड़ौदा के क्षेत्रीय प्रमुख मनोज गुप्ता सहित सैनिक कल्याण विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

ANCHOR | खुश खबर

बीसलपुर में 2 वर्ष का पानी

नवम्बर के पहले सप्ताह तक हुई पानी की आवक

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश में इस बार मानसून जयपुर समेत तीन जिलों की लाइफ लाइन बीसलपुर बांध पर खूब मेहरबान रहा है। यही वजह है कि इस बार 26 अगस्त को बांध भरने के बाद 70 दिन तक जयपुर, अजमेर और टोंक के लिए बांध से पानी की आपूर्ति होती रही लेकिन त्रिवेणी नदी से सब सरफेस फ्लो (जमीन के अंदर पानी का प्रवाह) बने रहने से एक बूंद भी पानी कम नहीं हुआ। टोंक जिले के किसानों को इस बार सिंचाई के लिए आरक्षित 8 टीएमसी पानी की आपूर्ति के बाद भी बांध में तीनों जिलों के लिए दो वर्ष का पानी उपलब्ध है। इस बार बारिश के बाद 26 अगस्त को बांध लबालब भर गया। 15 अक्टूबर तक पानी की आवक रही। इसके बाद भी नदी के पेटे 15 फीट तक की गहराई में बिछी बजरी से सब सरफेस फ्लो के जरिए 5 नवंबर तक बांध में रोज दो सेमी से ज्यादा पानी की आवक होती रही।

3 जिलों को रोज एक सेमी आपूर्ति

- » कुल भराव क्षमता- 315.50 आरएल मीटर (38.70 टीएमसी)
- » अगले वर्ष नवंबर तक पानी खर्च का अनुमान-26 से 27 टीएमसी (सिंचाई उपयोग समेत)
- » बांध के दो गेट खोलने के बाद चंबल में छोड़ा पानी-13 टीएमसी (जयपुर, अजमेर, टोंक के लिए एक वर्ष का पानी)
- » जयपुर, अजमेर और टोंक के लिए प्रतिदिन एक सेंटीमीटर पानी की बीसलपुर से आपूर्ति
- » 7 नवंबर को बांध का जल स्तर-315.49 आरएल मीटर
- » अगले वर्ष नवंबर माह में बांध में उपलब्ध रहेगा 11 टीएमसी से ज्यादा पानी-(जयपुर,अजमेर और टोंक के लिए लगभग एक वर्ष का पानी)

71वें दिन एक सेमी पानी हुआ कमः जल संसाधन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार बीते 70 दिनों से बांध का जल स्तर 315.50 आरएल मीटर पर स्थिर था। सोमवार को 71 वें दिन जयपुर समेत तीनों जिलों के पेयजल के लिए एक सेंटीमीटर पानी उठाया गया।

सम्पादकीय

सवर्णों को आरक्षण

गरीब सवर्णों को आरक्षण देने पर सुप्रीम कोर्ट ने भी मुहर लगा दी है और इसके साथ ही आरक्षण के समग्र आधिकारिक स्वरूप में फिर बदलाव की शुरुआत हो जाएगी। हालांकि, यह महत्वपूर्ण फैसला सुप्रीम कोर्ट ने बहुमत से किया है। तीन न्यायमूर्ति इस व्यवस्था के पक्ष में थे, जबकि प्रधान न्यायाधीश यू यू ललित और न्यायमूर्ति एस रवींद्र ने इस आरक्षण के खिलाफ मत देते हुए इसे अवैध और भेदभावपूर्ण करार दिया है। पांच जजों की पीठ की ओर से बहुमत से आए इस फैसले के बाद सवर्ण गरीबों को दस प्रतिशत आरक्षण मिलना जारी रहेगा। अभी तक संशय बना हुआ था कि गरीब सवर्णों को आरक्षण मिलना चाहिए या नहीं, क्योंकि आरक्षण की व्यवस्था तो अनुसूचित जातियों-जनजातियों व अन्य पिछड़ी जातियों के लिए हुई थी। संसद ने 103वें संविधान संशोधन के जरिये 2019 में आर्थिक रूप से पिछड़ों (ईडब्ल्यूएस) को आरक्षण देने के लिए कानून बनाया था। सरकार के इस फैसले को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी गई थी, जिस पर अब फैसला आया है और इसका व्यापक सामाजिक-राजनीतिक असर भी विभिन्न राज्यों में दिखेगा। जाहिर है, जब संसद ने कानून बना दिया है, तो उस कानून को चुनौती देना आसान नहीं है। फिर भी दो न्यायमूर्तियों की राय विपरीत रही है, यह वास्तव में संकेत है कि गरीब सवर्णों को आरक्षण देने का मामला आगामी दिनों में भी गरम रहेगा।

क्या आरक्षण से असंतोष को दूर किया जा सकता है? क्या आरक्षण की बढ़ती मांग को खारिज किया जा सकता है? इसी फैसले में न्यायमूर्ति पारदीवाला ने कहा है, यह विचार करने की जरूरत है कि आरक्षण कब तक जरूरी है? उन्होंने यह भी कहा कि गैर-बराबरी को दूर करने के लिए आरक्षण कोई अंतिम समाधान नहीं है। यह सिर्फ एक शुरुआत है। मतलब आरक्षण का सवाल बहुत व्यापक है और हमें इसके लाभ-हानि पर विचार करते हुए आगे बढ़ना चाहिए। पिछड़ी जातियों, जनजातियों और गरीब सवर्णों के बीच भी जो वास्तविक वंचित हैं, उनको हम लाभ पहुंचा पाएं, तो इससे बेहतर कुछ नहीं। अपने देश में अभी भी वंचितों की बड़ी संख्या है, जिसे मदद की जरूरत है। सरकारों को अपने स्तर पर कोशिश करनी चाहिए कि किसी वर्ग को कागज पर आरक्षण देने से ज्यादा जरूरी है, उस वर्ग के जरूरतमंदों तक आरक्षण को पहुंचाना, लेकिन क्या ऐसा हो रहा है?

सर्वोच्च न्यायालय के इस अहम फैसले पर राजनीति भी तेज हो गई है। अधिकतर राजनीतिक पार्टियों ने इस फैसले का स्वागत किया है, तो वहीं दलित समुदाय के कुछ बुद्धिजीवियों के स्वर प्रतिकूल हैं। आखिर नाराजगी कहां है और क्यों है? दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय पहले आरक्षण को 50 प्रतिशत से बढ़ाने से इनकार कर चुका है। ओबीसी वर्ग को जब ज्यादा आरक्षण देने की बात आती है, तब इंदिरा साहनी मामले में लगी 50 प्रतिशत की ऊपरी सीमा का हवाला दे दिया जाता है, लेकिन जब 10 प्रतिशत आरक्षण गरीब सवर्णों को मिलेगा, तब आरक्षण की सीमा वैसे ही 60 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। इसका सीधा सा अर्थ है, 50 प्रतिशत की आरक्षण सीमा का अब कोई व्यावहारिक अर्थ नहीं रह गया है। ऐसे में, आबादी के अनुपात में अन्य पिछड़ी जातियों या ओबीसी को ज्यादा आरक्षण देने के बारे में जरूर सोचना चाहिए। राजनीतिक दलों को यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी पिछड़ी जाति या समाज में यह संदेश न जाए कि गरीब सवर्णों को तो आरक्षण मिलने लगा, पर हमें नहीं मिला।

संयुक्त राष्ट्र के संगठन यूनेस्को के मुताबिक दुनियाभर में पत्रकारों की हत्या के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, जो कि चौंकाने वाला आंकड़ा है। इससे भी बड़ी चिंता की बात यह है कि ऐसे मामलों में दोषी लोगों को सजा देने के उदाहरण नहीं के बराबर मिलते हैं।

पत्रकारों के हत्यारों को नहीं मिलती सजा

श्याम माथुर
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

यूनेस्को की रिपोर्ट के मुताबिक, 2020 और 2021 की अवधि में 117 पत्रकारों की हत्या उनके काम करने के लिए की गई थी, 91 ऐसे पत्रकार थे जो ऑफ ड्यूटी थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि उनके बच्चों सहित परिवार के सदस्यों के सामने कई लोगों की हत्या कर दी गई।

जो लोग स्वतंत्र पत्रकारिता के पक्षधर हैं, उनके लिए संयुक्त राष्ट्र के संगठन यूनेस्को की हालिया वह रिपोर्ट चिंता का कारण हो सकती है, जिसमें यूनेस्को ने कहा है कि दुनियाभर में पत्रकारों की हत्या के ज्यादातर मामलों में अपराधियों को सजा नहीं मिलती है। यूएन एजेंसी के मुताबिक 2020 और 2021 में कम से कम 117 पत्रकार काम करते हुए मारे गए। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने पिछले हफ्ते जारी एक रिपोर्ट में कहा कि दुनिया भर में अपने पेशे को निभाते हुए पत्रकारों की हत्या के ज्यादातर मामलों में अपराधियों को सजा नहीं मिलती है। यूनेस्को का कहना है, 'पत्रकारों की हत्याओं के लिए दंड से मुक्ति 86 प्रतिशत पर अस्वीकार्य रूप से उच्च बनी हुई है।' यूनेस्को का कहना है कि पत्रकारों के हत्यारों के लिए सजा सुनिश्चित करने की जरूरत है। यूएन ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा पत्रकारों को लिखने और ट्वीट करने पर जेल में नहीं डालना चाहिए। यूनेस्को ने पत्रकारों के खिलाफ अपराधों की उचित जांच और अपराधियों की पहचान और सजा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक उपायों का आह्वान किया है।

यह रिपोर्ट ऐसे समय में जारी की गई है जब हाल ही दो नवंबर को यूएन ने पत्रकारों के खिलाफ अपराध रोकने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय दिवस का आयोजन किया। इस दिवस का नाम 'इंटरनेशनल डे टू एंड इंप्युनिटी फॉर क्राइम अगेंस्ट जर्नलिस्ट' है। यूनेस्को की महानिदेशक ऑड्रे अजोले ने एक बयान में कहा, 'तब तक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा नहीं की जा सकती, जब इतनी बड़ी संख्या में अनसुलझे मामले हों।' अजोले ने कहा कि सजा से मुक्ति का खुफिया रिपोर्टिंग पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

यूनेस्को ने पिछले एक दशक में दंड से मुक्ति दरों में 9 प्रतिशत की गिरावट का स्वागत किया है, लेकिन साथ ही कहा कि यह हिंसा के इस चक्र को रोकने के लिए अपर्याप्त है। यूनेस्को की रिपोर्ट के मुताबिक 2020 और 2021 में 117 पत्रकार अपना काम करते हुए मारे गए, जबकि 91 अन्य 'ऑफ द क्लॉक' यानी जब वे ड्यूटी पर नहीं थे, तब मारे गए। रिपोर्ट में कहा गया है, कई पत्रकारों को उनके बच्चों समेत परिवार के सामने मारा गया। यूनेस्को ने कहा कि वह राष्ट्रीय मीडिया कानूनों और नीतियों को विकसित करने और लागू करने के लिए सदस्य देशों के साथ काम कर रहा है। यह न्यायाधीशों, अभियोजकों और सुरक्षा बलों को ष्पत्रकारों के अधिकारों को लागू करने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षण दे रहा है कि उनके खिलाफ हमलों की जांच और मुकदमा चलाया जाए।

ऐसी स्थिति में हमें न्यूयॉर्क की कमेटी टू प्रोटेक्ट (सीपीजे) जर्नलिस्ट की वह रिपोर्ट भी चौंकाती है, जिसमें कहा गया है कि साल 2020 में कम से कम 30 पत्रकारों की हत्या हुई। इनमें से 21 को तो साफ तौर पर बदला लेने के लिए मारा गया। 2019 में दुनिया भर में ऐसे 10 मामले सामने आए थे।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस ने भी पत्रकारों पर बढ़ते हमले पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने इस दौरान कहा कि इस साल दुनियाभर में 70 से अधिक पत्रकारों की हत्या कर दी गई है। रिकॉर्ड संख्या में मीडियाकर्मी वर्तमान में जेलों में बंद हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पत्रकारों को जेल में डालने और जाने से मारने की धमकी जैसी घटनाओं में वृद्धि हो रही है। ऐसे में मीडियाकर्मियों की सुरक्षा पर वैश्विक स्तर पर चिंता बढ़ रही है। विशेष रूप से महिला पत्रकारों के बेहद कठिन हालात भी शामिल हैं। गुटेरेस ने पत्रकारों की अहमियत बताते हुए कहा कि 'स्वतंत्र प्रेस' लोकतंत्र के लिए काम करने वाले, गलत कामों को उजागर करने वाले और सतत विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा, 'कानूनी, वित्तीय और अन्य साधनों के दुरुपयोग के माध्यम से डराने-धमकाने की घटनाएं शक्तिशाली लोगों को जवाबदेह ठहराने के प्रयासों को कमजोर कर रही हैं। इससे न केवल पत्रकारों, बल्कि पूरे समाज को खतरा है।' पिछले दो वर्ष में 55 फीसदी पत्रकारों की हत्या संघर्ष रहित क्षेत्रों में हुई जो राजनीति, अपराध और भ्रष्टाचार पर रिपोर्टिंग के लिए पत्रकारों को निशाना बनाने की बढ़ती प्रवृत्ति को दिखाता है। यूनेस्को ने बताया कि 2006 से 2018 तक दुनिया भर में 1,109 पत्रकारों की हत्याओं के लिए जिम्मेदार लोगों में से करीब 90 फीसदी को दोषी करार नहीं दिया गया। यह रिपोर्ट पत्रकारों की हत्याओं की प्रवृत्ति में आये बदलाव को दिखाती है जिन्हें अक्सर राजनीति, अपराध और भ्रष्टाचार पर उनकी रिपोर्टिंग के लिए निशाना बनाया जाता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पत्रकारों के लिए काम करने के लिहाज से अरब देश सबसे खतरनाक हैं जहां 30 फीसदी हत्याएं हुई। इसके बाद लातिन अमेरिका और कैरीबियाई क्षेत्र (26 फीसदी) और एशिया तथा प्रशांत देश (24 फीसदी) आते हैं।

दुनिया भर में किसी भी स्थान पर यह बहुत महत्वपूर्ण है कि लोगों को खुद को स्वतंत्र रूप से व्यक्त करने की इजाजत दी जाए, पत्रकारों को स्वतंत्र रूप से और बिना किसी उत्पीड़न की धमकी के खुद को व्यक्त करने की इजाजत दी जाए। मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल भी अनेक अवसरों पर कह चुका है कि 'सत्य और न्याय की पैरोकारी कर रहे मानवाधिकार रक्षकों का उत्पीड़न और मनमाने तरीके से गिरफ्तारी चिंताजनक रूप से आम बात हो गयी है। अनेक देशों में स्वतंत्र पत्रकारों को सरकारें इसलिए निशाना बना रही हैं, क्योंकि वह फर्जी खबरों और भ्रामक सूचनाओं के खिलाफ काम कर रहे हैं।

(ये लेखक के अपने विचार है)

ओपिनियन

नई सरसों के खिलने की बुनियादी शर्त

हरजिंदर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

हथेली पर सरसों उगाना एक मुहावरा है, लेकिन केंद्र सरकार ने किसानों की हथेली पर जेनेटिकली मॉडिफाइड, यानी जीएम सरसों के जो बीज पिछले दिनों रखे, वे भारतीय कृषि के नजारे को काफी हद तक बदल सकते हैं। यह सब रातोंरात नहीं होगा, अभी तो केंद्र सरकार ने सिर्फ इसकी इजाजत ही दी है। अब हमारे पास है सरसों की एक ऐसी किस्म, जिसे 28 फीसदी तक अधिक उपज के दावे के साथ पेश किया गया है। हालांकि, खेतों में बड़े पैमाने पर इस सरसों की बुवाई का मौका दो साल बाद ही आएगा। मगर एक उम्मीद बनी है, जो हो सकता है कि दूर तक भी चली जाए। ज्यादा बड़ा सवाल यह है कि देश की किसानी इस समय जिन संकटों से जूझ रही है, क्या उसमें इस तरह की फसलें कुछ मदद कर सकेंगी?

बीटी कपास एकमात्र ऐसी जीएम फसल है, जिसकी लंबे समय से देश में बुवाई हो रही है। इसकी बदौलत देश कपास के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक बन गया है। फिर, तरह-तरह के कीटों के प्रकोप से कपास की फसल जिस तरह से पहले पूरी तरह बर्बाद हो जाया करती थी, वैसी घटनाएं इतनी कम हो गई हैं कि अब उनकी चर्चा भी नहीं होती। निस्संदेह, कपास किसानों से जुड़ी बर्बादी की घटनाएं कम हुई हैं, लेकिन क्या उनकी हालत भी बेहतर हुई है? कपास किसानों की माली हालत की तुलना अगर हम गेहूं या अन्य फसलें उपजाने वाले किसानों से करें, तो उनमें कोई बड़ा अंतर नहीं दिखता।

जीएम सरसों को हरी झंडी दिखाने के फैसले को कुछ विशेषज्ञों ने दूसरी हरित क्रांति की शुरुआत कहा है। एक अर्थ में यह बात सही भी साबित हो सकती है। पहली हरित क्रांति तब हुई थी, जब देश भीषण खाद्य संकट से गुजर रहा था। आज भी कुछ लोग उस हरित क्रांति की ढेर सारी खामियां गिनाते हैं, लेकिन उसकी सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि उसने देश को खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बना दिया। इस दूसरी हरित क्रांति की बात उस समय हो रही है, जब देश खाद्य तेलों के मामले में आत्मनिर्भरता से लगातार दूर जा रहा है। देश की खाद्य तेलों की 60 फीसदी जरूरत आज भी आयात से पूरी होती है। आयात पर इस निर्भरता को खत्म करना है, तो तिलहन की उपज तेजी से बढ़ानी होगी, जीएम सरसों में जो वादा या दावा किया जा रहा है, उससे भी कहीं ज्यादा तेजी से।

मुमकिन है कि कुछ लगातार प्रयासों से यह लक्ष्य भी हासिल हो जाए। मगर क्या इससे किसानों की समस्याएं भी खत्म हो जाएंगी? क्या सरसों की अधिक पैदावार किसानों की अधिक आमदनी की गारंटी बन सकेगी? यह बात याद रखनी भी जरूरी है कि जिसे हम पहली हरित क्रांति कहते हैं, उसने देश के खाद्य संकट का समाधान तो किया ही था, किसानों की बहुत सारी समस्याओं को भी हल किया था। पहली हरित क्रांति के पीछे भी विज्ञान था, गेहूं की एक उन्नत किस्म थी, जिसे मैक्सिको के वैज्ञानिक नॉर्मन बोरलॉग ने काफी प्रयासों से विकसित किया था। बौने पौधे वाली गेहूं की इस किस्म में अधिक उपज की गारंटी तो थी ही, साथ-साथ यह फसल को कई तरह के रोगों और कीटों से भी बचाती थी। इसकी अधिक उपज के साथ एक शर्त यह भी जुड़ी थी कि किसान खेती के अपने परंपरागत तरीकों को बदलें। खेत की उर्वरता बढ़े और समय पर सिंचाई का पक्का इंतजाम हो। नॉर्मन बोरलॉग ने विज्ञान की अपनी जादूगरी से हमें जो बीज सौंपे थे, अगर हम उसके लायक जमीन न तैयार कर पाते, तो वह जादू कम से कम भारत में तो अपना तिलस्म खो बैठता। शुरुआत के कुछ साल तो इसी जमीन को तैयार करने में बीते। किसानों को प्रशिक्षण देने के अलावा बड़े पैमाने पर उर्वरकों का इंतजाम किया गया। यह रासायनिक खाद इतनी महंगी थी कि उन्हें खरीद पाने की हैसियत देश के आम किसानों की नहीं थी। किसानों को उर्वरकों का इस्तेमाल सिखाने से कहीं ज्यादा कठिन था, अर्थशाि्त्रयों और नीति-नियामकों को उनकी कीमत कम करने के लिए राजी करना। एक दूसरा खतरा भी था, जिसे समय रहते भांप लिया गया था। डर यह था कि अगर इन सबसे उपज वास्तव में बढ़ गई, तो एक समय के बाद किसान सिर्फ हरित क्रांति की कामयाबी की वजह से दिवालिया होने के कगार पर पहुंच जाएंगे। जिस साल उपज रिकॉर्डतोड़ होगी, मंडियों में गेहूं के भाव गोते लगाएंगे और सारी मेहनत के बाद किसानों के हाथ कुछ नहीं आएगा। इन दोनों चीजों का जो समाधान निकाला गया, वह हरित क्रांति का मूल आधार था। यानी, लागत पर सब्सिडी और उपज की खरीद की गारंटी। इन दोनों चीजों के लिए बड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरत थी, खासकर उपज की खरीद के लिए।

घबराएं नहीं, सावधानी जरूरी...

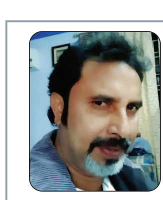

पूनम चन्द्रा
व्यंग्यकार
@jagrukjanta.net

मिलावटखोरों के संग शुद्ध के लिए युद्ध की जंग का चोली दामन का रहा है। इसे पॉजिटिव लेना चाहिए। जब तक मिलावट नहीं होगी, स्वाद का तसव्वुर बेमानी है। बिना स्वाद के जिन्दगानी भी रोजमर्रा की एक कहानी है। अखबार ही नहीं, समाज के लोग भी हाथी की तरह चिंघाड़ते हैं कि खाने से लेकर हर चीज में सिर्फ और सिर्फ मिलावट ही है जो रिश्तों को भी हकीकता से दूर विज्ञापन की झूठी दुनिया में मजबूती देती दिखाई दे रही है।

कहां-कहां तलाशेंगे जनाब! नेताओं के भाषणों में मिलावट, लोगों के आचरण में मिलावट, शिष्टाचार ही नहीं भ्रष्टाचार में ईमानदारी की मिलावट और न जाने कहां-कहां मिलावट का बोलबोला होता है, सब जानते हैं। पर, एक बात में मिलावट नहीं है मरना। तभी तो मिलावटी मिजाजी लोग धर्मभीरु ज्यादा दिखाई देते हैं। हर समुदाय के धार्मिक स्थलों पर लुटते -लुटाते और लूटते लोगों को देखा जा सकता है, लेकिन ईमान, जमीर जैसे अल्फाज से दूरी बनाके रखते हैं। तभी तो गरीब और अमीरों की दुनिया में मिलावट का अंश आसानी से दिखाई नहीं देता है। गरीब बिना मिलावट के अमीर नहीं बन सकता है पर, अमीर बनने के बाद मिलावट की खिलाफत जरूर करता है। शुद्ध जहर कितना खतरनाक हो सकता है यह शोध का सब्जेक्ट है पर, मिलावट के बाद अमृत बन जाता है, यह सब जानते हैं। सब बातों का निचोड़ यही है कि मिलावट में यदि बैलेंस का ख्याल रखा जाए तो यह नेताओं की लोकप्रियता, लोगों की सदाशयता, अमीरों का महात्म्य और ईश्वर की इनायत बदस्तूर बनी रह सकती है। शुबहा नहीं कि चुनाव का बिगुल बजने वाला है और मिलावटखारों का तांडव शुरू होने वाला है। घबराए नहीं बस, सावधानी जरूरी है। इसी बात ने सबकुछ बदल डाला है। कोई मालामाल हो गया तो कोई निडाल पड़ा है। सोचिए, आखिर सर है आपका और हेलमेट से डका दिमाग भी।

विचारधारा और जनमत

चेतेन्द्र मिश्रा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

लोकतंत्र को बचाना है, तो लोकतंत्र का सोलह आना सम्मान भी करना होगा। लोग भूले नहीं हैं, दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप अपनी चुनावी हार स्वीकारने को तैयार नहीं हो रहे थे, ब्राजील में भी बोल्सोनारो को हार पचाने में बहुत तकलीफ हो रही है।

दुनिया में एक ही साथ अनेक विचारधाराओं की सक्रियता जहां स्वाभाविक लगती है, वहीं इससे राजनीतिक चिंतन को भी विस्तार मिलता है। पिछले एक पखवाड़े की ही बात करें, तो अनुदार वामपंथ की पूरी दबंगई हमने चीन में देखी है और उसके बाद अब ब्राजील में समाजवादी-वाम विचारधारा कड़े संघर्ष में आगे आ गई है। हालांकि, सबसे ताजा मामला इजरायल का है, जहां पर दक्षिणपंथ की वापसी होती दिख रही है। इजरायल के पूर्व प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की रूढ़िवादी लिकुड पार्टी की बढ़त से लगता है कि वहां अपेक्षाकृत उदारवादियों से लोगों का विश्वास कम हुआ है। इजरायल की चिंता दूसरी तरह की भी है। वहां तीन साल में पांचवीं बार चुनाव हुए हैं। वहां लोगों को स्थिर सरकार का इंतजार है, लेकिन लोग अपनी इच्छाओं और जनादेश के मामले में बहुत बंटे हुए हैं। इस कट्टर यहूदी देश में दक्षिणपंथ के प्रति लोगों का झुकाव बढ़ा तो है, लेकिन इतना भी नहीं बढ़ा कि पूरी सत्ता उसके हाथ में थमा दें।

उधर, ब्राजील में लूला द सिल्वा ने सत्ता में एक अंतराल के बाद वापसी की है। वह एक दशक बाद व भ्रष्टाचार के आरोपों के खारिज होने के तीन साल बाद सत्ता में लौटे हैं। लूला जेल में एक साल से अधिक समय बिता चुके हैं। उन्होंने चुनाव के दौरान महात्मा गांधी और नेल्सन मंडेला जैसे नेताओं का नाम भी लिया था, जो अपने समय में जेल गए थे। वैसे लैटिन अमेरिका में सबसे अधिक आबादी वाले और सबसे बड़े देश ब्राजील में लूला की सत्ता में वापसी को पर्यावरण सुरक्षा और सामाजिक न्याय की जीत माना जा रहा है। ब्राजील में दक्षिणपंथी जायर बोल्सोनारो को सत्ता से जाना पड़ा है और अब उन पर जेल जाने का खतरा मंडरा रहा है। उनका प्रचार अभियान भी इस अतिरेक के साथ चल रहा था कि जिता दो या जेल व मौत तय है। लोगों ने उन्हें हरा दिया है, लेकिन बहुत मामूली अंतर से। लूला को 50.9 प्रतिशत और बोल्सोनारो को 49.1 प्रतिशत मत मिले हैं। लूला के लिए चुनौतियां कम नहीं हैं। क्या वह इस बात को भुला देंगे कि पिछली सरकार ने उनके साथ कैसा व्यवहार किया था? सवाल यह भी है कि ऐसी हार से बोल्सोनारो या दक्षिणपंथी क्या सबक लेंगे?

ऐसे कौन से संकेत इन चुनाव परिणामों से उभर रहे हैं? मूल समस्या कहां है? दरअसल, सबसे कारगर पैमाना जनसेवा है। लोगों को जहां भी परेशानी हो रही है, वे वहां सत्ता में बदलाव कर रहे हैं। नेताओं या सत्ताधीशों को यह बात अच्छी तरह से समझ लेनी चाहिए कि जनता की उम्मीदों पर खरा उतरना सबसे जरूरी है। लोकतंत्र को बचाना है, तो लोकतंत्र का सोलह आना सम्मान भी करना होगा। लोग भूले नहीं हैं, दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप अपनी चुनावी हार स्वीकारने को तैयार नहीं हो रहे थे, ब्राजील में भी बोल्सोनारो को हार पचाने में बहुत तकलीफ हो रही है। दअरसल, विचारधारा कोई भी हो, जनादेश का सम्मान करना ही होगा। यह समझना होगा कि लोगों को विचारधारा से ज्यादा मतलब नहीं है, उन्हें विकास और अपनी बेहतरी से मतलब है। लोकतांत्रिक देशों के लोगों को भी परिपक्वता का परिचय देना चाहिए। लोगों का आपस में विमर्श कम हो रहा है, शायद इसीलिए ज्यादातर जगह लोग किसी एक मत या आम सहमति या स्पष्ट बहुमत तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। आज दुनिया में किसी राजनीतिक संगठन का कट्टर समर्थक होने के बजाय अपने देश-समाज का सजग हितैषी होना ज्यादा जरूरी हो गया है।

(ये लेखक के अपने विचार है)

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज ।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

ब्रम्ह स्वयं अकर्ता होते हुये भी उसकी आदि शक्ति महामाया से जगत से सब व्यवहार होते है। इस जगत में माया, विद्या ओर अविद्या दोनों रूपों में है। ज्ञान, भक्ति, ऐश्वर्य, सत् असत् भला-बुरा, पाप-पुण्य आदि सब से ब्रम्ह निर्लिप्त है। ये सब जीवों के लिए है। ये सब ब्रम्ह को स्पर्श नहीं कर सकते। जैसे दीपक के सामने कोई भागवत पढ़ रहा है और कोई जाल रच रहा है पर दीपक निर्लिप्त है। सूर्य भले पर भी प्रकाश डालता है और दुष्ट पर भी। सौंप में विष है औरों को डसने से वे मर जाते हैं पर सांप को विष से कोई हानि नहीं होती। हालांकि ब्रम्ह कैसा है कोई नहीं कह सकता किन्तु कठोर साधना से ब्रम्ह का ज्ञान होता है। विषय बुद्धि का लेश मात्र रहते ब्रम्ह ज्ञान नहीं होता। वेदों में कहा गया है 'सोहम्', 'अहं ब्रम्हास्मि' यानि में ब्रम्ह हूँ। ज्ञानी नेति नेति यानि यह ब्रम्ह नहीं वह ब्रम्ह नहीं कहता है किन्तु विशेष विचार करने से देखा जाता है जो ब्रम्ह नहीं कहता है किन्तु विशेष विचार करने से देखा जाता है जो ब्रम्ह है वही जीव जगत हुआ है वही निर्गुण है वही सगुण है। क्रमशः

वर्ल्ड क्लिक

जागरूक जनता Selfie विद डॉटर

वर्षा रितु राशी डॉटर सीमा-राजेन्द्र जोशी, जयपुर

हमे लिखे

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

पंचांग

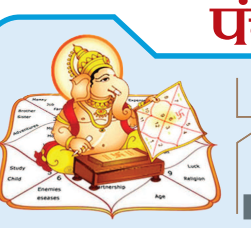

ज्योतिर्विद्
अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 09/11/2022

सूर्योदय : 06:48 **सूर्यास्त** : 17:25 **चन्द्रोदय** : 18:02 **चन्द्रास्त** : 07:23 **शक सम्वत** : 1944 सुभाकृतु **अमान्ता महीना** : कार्तिक **पूर्णिमांत** : मार्गशीर्ष **सूर्य राशि** : तुला **चन्द्र राशि** : मेष **पक्ष** : कृष्ण **तिथि** : प्रतिपदा, 17:20 तक **वार** : बुधवार **शक सम्वत** : 1944 शुभकृत **विक्रम सम्वत** : 2079 राक्षस **गुजराती सम्वत** : 2079 आनन्द **चन्द्रमास मार्गशीर्ष** : पूर्णिमान्त **कार्तिक** : अमान्त।

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : कृत्तिका, 27:08 तक
योग : वरीघा, 21:12 तक
प्रथम करण : कौवाला, 17:20 तक
द्वितिय करण : तैतिल, 29:51 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:54 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	05:20 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	01:53 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	05:31 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	05:31 पी एम से
अमृत काल	12:36 ए एम,
निशिता मुहूर्त	11:39 पी एम से
सर्वार्थ सिद्धि योग	पूरे दिन

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
चन्द्रवास : पूर्व
कुंभी चक्र: दक्षिण

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	: 06:47 - 08:07	उद्वेग	05:24 - 07:04
अमृत	: 08:07 - 09:26	शुभ	07:04 - 08:45
काल काल वेला	: 09:26 - 10:46	अमृत	08:45 - 10:25
शुभ	: 10:46 - 12:05	चर	10:25 - 12:06
रोग वार वेला	: 12:05 - 01:25	रोग	12:06 - 01:46
उद्वेग	: 01:25 - 02:45	काल	01:46 - 03:27
चर	: 02:45 - 04:04	लाभ	03:27 - 05:07
लाभ	: 04:04 - 05:24	उद्वेग	05:07 - 06:48

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज प्रतिपदा

आज कौन सा कार्य करें

प्रतिपदा को विवाह, यात्रा, व्रतबंध, प्राण प्रतिष्ठा, चूड़ा कर्म, वास्तु कर्म, गृह प्रवेश आदि मंगल कार्य बिलकुल भी नहीं करने चाहिए।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋय दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

मार्गशीर्ष, कृष्ण, प्रतिपदा, 2079 बुधवार, 9 नवम्बर - 15 नवम्बर, 2022

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
स्वास्थ्य का ध्यान रखें। विवाद से दूर रहें। कुसंगति से बचें। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
ऐश्वर्य पर खर्च होगा। मान-सम्मान मिलेगा। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
यात्रा मनोरंजक रहेगी। मांगलिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
शुभ समाचार मिल सकता है। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
समय का अपव्यय होगा। दूर से दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश होगा। काम में मन नहीं लगेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति विशेष से अनबन हो सकती है।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
आशंका-कुशंका रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। कारोबारिक अनुबंध हो सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। थकान महसूस होगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल रहेंगे। धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
वाणी पर नियंत्रण रखें। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। घर में प्रतिष्ठित अतिथियों का आगमन हो सकता है। व्यय होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक शिथिलता रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। किसी अपने का व्यवहार प्रतिकूल रहेगा।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
रोजगार प्राप्ति सहज ही होगी। व्यावसायिक यात्रा से लाभ होगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। निवेशादि शुभ रहेंगे।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
विवेक से कार्य करें। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल बनेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन की राजस्थान युवा इकाई द्वारा कार्यक्रम आयोजित

दीपावली स्नेह मिलन अन्नकूट प्रसादी में उमड़े समाजवासी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन की युवा इकाई अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल युवा सम्मेलन राजस्थान इकाई के द्वारा आयोजित दीपावली स्नेह मिलन एवं अन्नकूट प्रसादी का भव्य आयोजन अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष राज कुमार मित्तल की प्रेरणा से बीते दिनों खण्डाका हॉउस, झोटवाड़ा सीकर रोड, जयपुर, राजस्थान मे सम्पन्न हुआ। लगभग 1500 से ज्यादा अग्र बन्धुओ की उपस्थिति मे आयोजित कार्यक्रम जयपुर शहर का ऐतिहासिक एवं सुन्दर कार्यक्रम रहा।जहाँ युवाओं का योजनाबद्ध तरीके से किया गया कार्य एक मजबूत युवा इकाई की मजबूती की कहानी बया कर रही थी। आगन्तुक सदस्यों का रोली-अक्षत लगाकर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अथिति पूर्व चिकत्सा मंत्री राजस्थान सरकार व विधायक कालीचरण सर्राफ एवं रीको के निदेशक सीताराम अग्रवाल के द्वारा दीप प्रज्वलित व महाराजा अग्रसेन जी की आरती करके कार्यक्रम की शुरुआत की गयी। कार्यक्रम के दौरान अतिथियो ने मंच से कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के इस आयोजन एवं पूर्व मे किये जा रहे एवं सामाजिक कार्यों की तारीफ की एवं आगामी विकासत्मक कार्यों मे सहयोग का आश्वासन दिया, कार्यक्रम स्थल पर जयपुर शहर की विभिन्न अग्रवाल समाज समिति, संस्थाओ के प्रतिनिधियो एवं गणमान्य व्यक्तियों ने कार्यक्रम मे शिरकत की। कार्यक्रम मे आये अतिथि पुरुष एवं महिला शक्ति का माला, दुपट्टा एवं साफा पहनाकर सम्मान किया गया।कार्यक्रम स्थल पर गर्म सुप, चाय एवं पानी की व्यवस्था निरंतर चालू रही। लजीज मिष्ठान भोजन प्रसादी को सबने ग्रहण किया। पधारे हुए समाज के बन्धुओ ने कार्यक्रम की व्यवस्था एवं भोजन प्रसादी की भूरी भूरी प्रसंशा की।

कार्यक्रम को कड़ी मेहनत से सफल बनाने मे युवा प्रदेश अध्यक्ष सुनील रिंगस्या एवं समिति के मनीष गोयल, अभिजीत गोयल, राजेंद्र मित्तल,सौरभ गोयल, सिद्धार्थ अग्रवाल, मनीष अग्रवाल(बड़ागांव वाले), मनोज बोहरा, अंशु अग्रवाल, अमित कुमार अग्रवाल, मनोज बंसल, मनोज गोयल, अंकुर मित्तल, अरुण अग्रवाल,आनंद जिंदल, रजनीकांत अग्रवाल, नीरज अग्रवाल (टोंक रोड), श्याम अग्रवाल (बड़ागांव वाले), अरविन्द गर्ग नाई वाले हिमांशु अग्रवाल मनोज अग्रवाल एवं अनेक सदस्यों का सहयोग रहा। कार्यक्रम का दिशा निर्देशन संस्था के राष्ट्रीय संयोजक, जन संपर्क अभियान ओम प्रकाश अग्रवाल एवं राष्ट्रीय संयोजक वैवाहिक परिचय सम्मेलन पवन कुमार मित्तल ने किया।

कार्यक्रम मे मुख्य इकाई से सभी पदाधिकारीगण एवं सदस्यगण मे राधेश्याम अग्रवाल, राधेश्याम गुप्ता, सुभाष मित्तल, दिनेश अग्रवाल, बाबूलाल अग्रवाल, सुशील अग्रवाल गोकुल अग्रवाल,फतेह लाल अग्रवाल राम अवतार गुप्ता, मनीष ऐरन, राम बैराठी, महिला सम्मेलन की प्रदेश अध्यक्षा शशि गुप्ता, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष वसुंधरा मित्तल, प्रदेश कोषाध्यक्ष मंजू अग्रवाल जन जागरण की प्रदेश संयोजीका प्रियंका गोयल, पिंकी गुप्ता जिला पदाधिकारी मे अनुपमा गुप्ता, सुमन गर्ग, अलका अग्रवाल, सपना अग्रवाल, किरण गुप्ता, सुनीता गोयल, मीना अग्रवाल, अल्पना अग्रवाल, उषा बैराठी, किरण गुप्ता,मृदुला पंसारी व अनेको सदस्यों ने भाग लेकर कार्यक्रम को भव्य और मनमोहक बनाया।

जनता को राहत देने वाली पार्टी का करें समर्थन-शर्मा

जयपुर @ जागरूक जनता। 2014 के भाषणों में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मनमोहन सिंह पर आरोप लगाया करते थे रुपया डॉलर के मुकाबले कहा है और गैस सिलेंडर पेट्रोल डीजल महंगाई पर काबू नहीं करने पर बहुत भाषण दिया करते थे। यह कहना है भगवा रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा का। उन्होंने कहा कि मैने एक टीवी चैनल पर सुना था नरेन्द्र मोदी जी कह रहे थे थोड़े दिन पहले मनमोहन सिंह गुजरात में आए लेकिन महंगाई का म बोलने को तैयार नहीं है आज 2014 से नरेंद्र मोदी जी देश के प्रधानमंत्री पद पर बैठे हुए हैं उन्होने कभी कोशिश की देश आम जनता को राहत देने की महंगाई से ऐसा कोई प्रयास किया ही नहीं गया उल्टा गोतम अडानी को सभी सरकारी सम्मति का मालिक बना दिया उसका परिणाम स्वरूप देखने को मिल रहा है गोतम अडानी विश्व में तीसरे स्थान पर पैसे वाले लोगों में शामिल हो गए विदेशों से कालाधन लाएंगे और आम जनता को 15लाख रुपए देंगे उसका भी उल्टा हो गया देश के हर नागरिक पर कर्जा बढ़ गया देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने सबकी लाल बत्ती उतरवा दी और खुद पूरे विश्व में भ्रमण करते हुए कहते हैं भारत विश्व गुरु बनने जा रहा है कुछ काम किया वो है राम मंदिर निर्माण कराया जा रहा है जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटा दी काशी विश्वनाथ मंदिर का विकास उज्जैन महाकाल मंदिर का विकास किया है, लेकिन महंगाई का म तो देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी भी नहीं बोलते हैं। इसलिए आम जनता को राहत देने वाली पार्टी को मजबूत करते हुए सरकार में लाया जाना चाहिए, जो आम जनता के हितों की और उनकी समस्या के बारे में सरकार बनाने के बाद सोचे जागो और जगाओ अभियान चलाया जाए अंधभक्ति से कुछ नहीं मिलने वाला है।

आदर्श विवाह सम्मेलन में किया निर्धन 22 जोड़ों का विवाह

जयपुर @ जागरूक जनता। हिंदू सर्व समाज सांवलिया सेठ विकास सेवा समिति की ओर से जयसिंह पुरा खोर में 22 जोड़ों का आदर्श विवाह सम्मेलन निशुल्क किया गया। संस्था के अध्यक्ष बंटी शर्मा निक्की एवं महामंत्री गोपाल लाल शर्मा एवं संस्था के सभी पदाधिकारियों का एक ही उद्देश्य है की समाज में जरूरतमंद के लिए कार्य किए जाएं जिन माता-पिता की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है और तथा अपने लड़के और लड़की का विवाह नहीं कर पा रहे हैं। कोरोना के बाद लोगों के हालात इतने कमजोर हो गए हैं अपने बच्चे बच्चों का विवाह करने में भी उनको तकलीफ आ रही है। उसको देखते हुए संस्था के पदाधिकारी समाज में एक संदेश के साथ यह प्रोग्राम किया, ताकि सभी लोग इसको देख कर आर्थिक रूप से कमजोर लोगों का साथ दें और उनका हौसला बढ़ाए। कार्यक्रम में स्नेह फाउंडेशन व अनेक संस्थाओं ने अपना सहयोग दिया। अनेक समाजसेवी लोगों ने भामाशाह लोगों ने अपना सहयोग दिया एवं कार्यक्रम में अतिथि रूप में जलदाय मंत्री महेश जोशी खादी ग्राम उद्योग के राज्य मंत्री बृजकिशोर शर्मा, पूर्व विधायक सुरेंद्र पारीक, समाजसेवी राधेश्याम गुप्ता रहे।

भगवा रक्षा दल का किया विस्तार

अहमदाबाद @ जागरूक जनता। भगवा रक्षा दल गुजरात प्रदेश में विस्तार करते हुए दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा(रींगस) ने राम कुमार सिंह तोमर अहमदाबाद शहर अध्यक्ष एवं राहुल शंकर मारू अहमदाबाद शहर उपाध्यक्ष पद पर जिम्मेदारी सौंपी गई। रमेश सिंह राठौर प्रदेश अध्यक्ष भगवा रक्षा दल व्यापार प्रकोष्ठ गुजरात इसके अलावा गणेश बंजारा अहमदाबाद शहर उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

सैनी प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत

पाली @ जागरूक जनता। शिव सेना राजस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा ने पाली जिले के पोकरण से अशोक सैनी को कमांडो फोर्स के प्रदेश अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया है।

शर्मा का गुजरात दौरा

अहमदाबाद @ जागरूक जनता। भगवा रक्षा दल व्यापार प्रकोष्ठ गुजरात के कार्यालय पर रमेश सिंह राठौर प्रदेश अध्यक्ष भगवा रक्षा दल व्यापार प्रकोष्ठ गुजरात से मुलाकाल हुई और गुजरात में भगवा रक्षा दल को मजबूती प्रदान करने को लेकर चर्चा हुई। जिसमे उन्होने कहा की जल्द ही भगवा रक्षा दल गुजरात प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया जायेगा और भगवा रक्षा दल के सिद्धांतो के बारे में आम जनता को छोटे छोटे कार्यकर्म आयोजित करके बताया जाएगा ज्यादा से ज्यादा लोगों को भगवा रक्षा दल की सदस्यता ग्रहण करवाई जाएगी।

व्हील चेयर क्रिकेट कुंभ उदयपुर में 27 से

उदयपुर @ जागरूक जनता। देशभर के 300 से अधिक व्हील चेयर क्रिकेटर्स झीलों की नगरी उदयपुर में दम-खम दिखाने के लिए इसी माह जूटने वाले हैं। संस्थान अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल ने बताया कि नारायण सेवा संस्थान, डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इण्डिया एवं व्हीलचेयर क्रिकेट इण्डिया एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 27 नवम्बर से 3 दिसंबर तक उदयपुर में तीसरी राष्ट्रीय व्हीलचेयर क्रिकेट चैम्पियनशिप 2022 का आयोजन कर रहा है। इस अनोखे इवेन्ट में देशभर के 16 राज्यों की टीमें हिस्सा लेंगी। दिव्यांग खिलाड़ी इस व्हील चेयर क्रिकेट कुंभ में अपने प्रांत एवं देश का गौरव बढ़ाने के लिए उत्सुक है।

सामाजिक सेवा संस्था की संस्कार बैठक सम्पन्न

समन्वय से करना होगा काम-प्रकाश

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। विद्याधर भाग की सामाजिक सेवा संस्था बैठक समाज सेवी गणपत लाल खुराना की अध्यक्षता व सम्पत लाल संघ चालक विद्याधर भाग तथा सूर्य प्रकाश प्रान्त सेवा प्रमुख के सानिध्य मे सम्पन्न हुई। बैठक मे 17 सामाजिक संस्थाओ के प्रतिनिधि उपस्थित हुए,भारत माता चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के बाद सूर्य प्रकाश ने बैठक की प्रस्तावना रखी। सभी संस्थाओ के पदाधिकारियो ने अपनी अपनी संस्था के सेवा कार्यो के बारे मे जानकारी प्रदान की। सेवा भारती की ओर से गिरधारी लाल प्रान्त मंत्री द्वारा सेवा बस्तियो मे चलाए जा रहे सेवा कार्यो की जानकारी प्रदान की। नागरिक सेवा समूह मुरलीपुरा ने परउपकार पुण्यायः पापाय पीड़नम के अनर्गत सब मे खुशियाँ बाटना श्रेष्ठ परोपकार बताया। सूर्य प्रकाश ने कहा कि आप सभी शिक्षा, स्वास्थ्य, नारी उत्थान, गौसेवा समाज जागरण, संस्कार आदि सेवा कार्य कर रहे है जो सराहनीय है, लेकिन हमारे समाज का एक वर्ग ऐसा भी है जो अप्रतिष्ठित, वंचित, अभावग्रस्त, पीड़ित है उनके उत्थान व स्वावलंबन हेतु भी सेवा कार्य करने की आवश्यकता है। इस हेतु हम सब को मिलकर समन्वय कर कार्य करना चाहिए। अन्त में आभार प्रदर्शन व शान्ति पाठ के पश्चात जलपान के साथ बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मरुधरा नारी सशक्तिकरण संगठन, सनातन वैदिक संस्कार ट्रस्ट, पालनहार सनातन फाउंडेशन, गायत्री सप्तक्रांति ट्रस्ट, जयपुर यूथ क्लब सेवा समिति, सेवा भारती, लम्पी गौसेवा संरक्षण संस्था, नागरिक सेवा समूह संगठन, बालाजी फिजिकल ट्रेनिंग, पूज्य सिन्धी पंचायत, हिन्दु युवा वाहिनी ग्रामीण युवा संस्था आदि प्रमुख संस्थाओ का सहयोग रहा।

पार्वती बनी 'घर आई नन्ही परी' की ब्रांड एंबेसडर

जोधपुर @ जागरूक जनता। घर आई नन्ही परी एक राष्ट्रीय अभियान है। अभियान के सीईओ सुदीप कुमार नंदा, सेवानिवृत आईएएस अधिकारी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पूर्व गृह सचिव ने सिस्टर ऑफ़ सोल्जर्स से विख्यात, कर्नल (मानद) पार्वती जांगिड़ सुथार को घर आई नन्ही परी राष्ट्रीय अभियान की ब्रांड एम्बेस्डर घोषित किया। है। उन्होंने कहा कि हमें विश्वास है सुश्री पार्वती के अद्वितीय साहसिक कार्यों, राष्ट्रनिष्ठ विचारों, विपरित परिस्थियों के बावजूद उच्च कोटि की उपलब्धियां प्राप्त करना, सीमा जागरण, सीमांत क्षेत्रों के लिए सजगता, सेना व समाज के बीच उत्कृष्ट तालमेल, सेना, बोर्डर गार्डिगं फोर्सेज के कल्याण के लिए काम करना, देश विदेश में स्वयं के साथ भारत का नाम रोशन, उनका यह विशुद्ध जीवन चरित्र बेटियों के साथ-साथ माता पिता को भी प्रेरणा देगा।

पंडित भोजराज शर्मा की द्वितीय पुण्यतिथि

उत्साह से वीरों ने किया रक्तदान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। नेचुरल हेल्थ होम (डॉ मनीष गुप्ता) फिजियोकेयर एवं फिजियो यूनिटी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में स्व- पंडित भोजराज शर्मा की द्वितीय पुण्यतिथि के अवसर पर विशाल रक्तदान शिविर एवं नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन सफलता पूर्वक डी ब्लॉक मालवीया नगर में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अमूल इंडिया के डिस्ट्रिक्ट हेड अशोक माथुर ने रक्तवीरो की हौसला अफजाई की। डॉ विश्वेश दवे डॉ गौरव अग्रवाल डॉ सोनल माथुर डॉ मनीष गुप्ता डॉ योगेश गुप्ता डॉ दीपलता सिंह सविता पारीक को संगीता राजा ने सफल आयोजन के लिए आभार प्रकट किया।

नाबार्ड द्वारा बकरीपालन हेतु आजीविका एवं उद्यम विकास कार्यक्रम

उद्यमिता के रूप में करें बकरीपालन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सीकर। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने के उद्देश्य से सीकर जिले के फतेहपुर ब्लॉक में आजीविका एवं उद्यम विकास कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत करते हुए डीडीएम सीकर एवम सहायक महाप्रबंधक नाबार्ड एम एल मीना ने कहा कि ग्रामीण समृद्धि के उद्देश्य को आत्मसात करते हुए नाबार्ड द्वारा जिले में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की क्षमता निर्माण को विकसित कर उन्हें स्वावलंबन की ओर उन्मुख किया जा रहा है। मुख्य अतिथि डीडीएम सीकर ने बताया कि अधिक से अधिक एसएचजी महिलाओं को आत्मनिर्भरता से जोड़ने हेतु रोजगारन्मुखी कौशल प्रशिक्षण प्रदान करते हुए आजीविका से जोड़ा जा रहा है ताकि वे परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर पाएं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए एक्सपर्ट संस्था के निदेशक विनीत छाबड़ा ने बताया कि उक्त कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं के भीतर छिपे कौशल को विकसित कर आत्मविश्वास का संचार करना है जिसके तहत नाबार्ड के तत्वावधान में फतेहपुर ब्लॉक के बिरानिया व बीबीपुर बड़ा गाँव में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को बकरी पालन गतिविधि में दस दिवसीय नि:शुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है जिससे महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने में सहायता मिलेगी । कार्यक्रम में राजीविका अधिकारी, बैंक प्रबंधक व सरपंच ने समस्त प्रतिभागियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उन्हें आगे बढ़ते रहने के लिए प्रेरित किया तथा अपनी ओर से हरसम्भव मदद करने का विश्वास दिलाया। इस अवसर पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह के मद्देनजर समस्त उपस्थितजनों को जागरूकता प्रदान करते हुए संकल्प दिलवाया गया। कार्यक्रम के दौरान समस्त प्रशिक्षणार्थियों को अधिक प्रेरित करने के लिए नि:शुल्क प्रशिक्षण सामग्री का वितरण भी किया गया।

यूईएम ने किया डॉक्टरों को जीवन रक्षक पुरुस्कार से सम्मानित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजेंट, जयपुर ने महामारी के दौरान और बाद में जयपुर के प्रख्यात डॉक्टरों को उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित करने के लिए आरएएस क्लब, जेएलएन मार्ग में जीवन रक्षक पुरस्कार का आयोजन किया। कार्यक्रम में जयपुर के 100 से अधिक प्रख्यात डॉक्टरों को जीवन रक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के प्रायोजक थे इटरनल हॉस्पिटल, शेल्बी हॉस्पिटल और आकृति लैब्स। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महेंद्र लाल कुमावत, आईपीएस (सेवानिवृत्त), पूर्व महानिदेशक (बीएसएफ) और भारत सरकार के पूर्व विशेष गृह सचिव के साथ-साथ चांसलर, यूईएम जयपुर, (डॉ) सत्यजीत चक्रवर्ती, कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) बिस्वजय चटर्जी, रजिस्ट्रार, यूईएम प्रो. (डॉ.) प्रदीप कुमार शर्मा, डीन, यूईएम, प्रो. (डॉ.) अनिरुद्ध मुखर्जी उपस्थित थे।

कार्यक्रम को मुख्य अतिथि कुमावत के अलावा (डॉ.) सत्यजीत चक्रवर्ती, चांसलर, यूईएम, प्रोफेसर (डॉ.) बिस्वजय चटर्जी, कुलपति, यूईएम, (डॉ.) अनिरुद्ध मुखर्जी, डीन, यूईएम, डॉ. शांतनु शर्मा, प्रमुख, फिजियोथेरेपी विभाग, यूईएम, (डॉ.) प्रदीप कुमार शर्मा, रजिस्ट्रार यूईएम ने भी सम्बोधित किया। पुरस्कार समारोह के दौरान छात्रों सहित फिजियोथेरेपी विभाग, प्लेसमेंट टीम के सभी संकाय सदस्य उपस्थित थे।

मां बनने का अनुभव हर महिला के लिए बहुत स्पेशल होता है, लेकिन कुछ महिलाओं को प्रेग्नेंसी के दौरान मॉर्निंग सिकनेस जैसी प्रॉब्लम फेस करनी पड़ती है। क्या है यह प्रॉब्लम, इसके प्रमुख लक्षण, इससे बचाव और उपचार के तरीके, आपको भी पता होने चाहिए।

प्रेग्नेंसी में मॉर्निंग सिकनेस ना घबराएं-करें ये उपाय

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

मॉर्निंग सिकनेस प्रेग्नेंट महिलाओं में होने वाली कॉमन प्रॉब्लम है, जो प्रेग्नेंट होने के नौ सप्ताह बाद शुरू होती है और पहली तिमाही के दौरान सबसे अधिक होती है। सामान्य तौर पर दूसरी तिमाही के मध्य से अंत तक इसके लक्षणों में सुधार होने लगता है। लेकिन कुछ महिलाओं को प्रेग्नेंसी के पूरे पीरियड में मॉर्निंग सिकनेस फील होता है।

जनरल सिंप्टंप्स : मॉर्निंग सिकनेस के सामान्य लक्षणों में जी मिचलाना और उल्टी शामिल हैं, जो किसी खास प्रकार की गंध, मसालेदार खाने, गर्मी, अत्यधिक लार बनने या कई बार बिना कारण भी हो सकता है।

तब डॉक्टर से करें कंसल्ट : वैसे तो उल्टी करने की प्रक्रिया प्रेग्नेंट शिशु को नुकसान नहीं पहुंचाती है, लेकिन यह पेट की मांसपेशियों पर दबाव डाल सकती है। इससे पेट के आस-पास के हिस्से में दर्द और सूजन हो सकती है। कई सारे अध्ययनों में मॉर्निंग सिकनेस और मिसकैरेज (गर्भपात) होने के रिस्क के बीच संबंध पाया गया है। फिर भी, लगातार उल्टी (जिसकी वजह से डिहाइड्रेशन और वजन कम होता है) होने से आपके बच्चे को सही पोषण नहीं मिल पाता और जन्म के समय बच्चे का कम वजन होने का रिस्क हो सकता है। ऐसे में अगर यहां बताए जा रहे सिंप्टंप्स दिखने लगें तो डॉक्टर से कंसल्ट करना चाहिए।

- अगर आपको लगातार मितली या उल्टी हो रही हो।
- कम मात्रा में यूरीन हो या फिर उसका रंग गहरा हो जाए।
- लिक्विड निगलने में भी मुश्किल लग रही हो।
- खड़े होने पर चक्कर महसूस हो रहा हो।
- हार्ट बीट्स तेज चल रही हों।

सिवियर मॉर्निंग सिकनेस : ऐसा बहुत कम होता है कि मॉर्निंग सिकनेस एक ऐसी स्थिति में पहुंच जाए कि वह हाइपरमेसिस ग्रेविडेरम में बदल जाए। मॉर्निंग सिकनेस की सिवियर कंडीशन को ही हाइपरमेसिस ग्रेविडेरम कहते हैं। 1,000 में से किसी एक प्रेग्नेंट महिला को ऐसी समस्या होती है। इसके लक्षणों में डिहाइड्रेशन, लगातार वॉमिटिंग और वेट लूज होना शामिल हैं। ऐसे में इंट्रावीनस फ्लूएड्स के जरिए न्यूट्रिएंट्स देना पड़ सकता है। मेडिकल ट्रीटमेंट ना कराने से कई प्रॉब्लम्स हो सकती हैं, जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स का डिसबैलेंस, सीरियस एंग्जाइटी या डिप्रेशन, एंब्रयो में न्यूट्रिएंट्स की कमी और लीवर, हार्ट, किडनी और ब्रेन पर प्रेशर पड़ना।

ऐसे करें केयर : अगर प्रेग्नेंसी के दौरान आपको मॉर्निंग सिकनेस की प्रॉब्लम हो रही है तो बिना अपने डॉक्टर से कंसल्ट किए कोई दवा ना लें। साथ ही ये उपाय भी आजमाएं।

- सुबह के समय सबसे पहले स्वीट क्रैकर्स या ड्राइ क्रैकर्स खा लें।
- थोड़े-थोड़े अंतराल पर कुछ-कुछ खाती रहें, क्योंकि खाली पेट होने से मितली का अनुभव होता है।
- जितना हो सके लिक्विड डाइट लें। डॉक्टर से पूछकर फलों के जूस, जिंजर टी, वेजिटेबल सूप ले सकती हैं। आप चाहें तो आइस क्यूब चूस सकती हैं।
- डॉक्टर से कंसल्ट कर विटामिन बी6 वाले सप्लीमेंट्स ले सकती हैं।
- लूज ड्रेस पहनें ताकि पेट पर किसी प्रकार का प्रेशर ना पड़े।
- अनावश्यक चलने-फिरने से बचें। ज्यादा चलने ये मॉर्निंग सिकनेस गंभीर हो सकता है। बेहतर है जितना हो सके आराम करें।

बचाव : हालांकि मॉर्निंग सिकनेस से पूरी तरह बचा नहीं जा सकता है। लेकिन बहुत तेज गंध, ज्यादा थकान, मसालेदार या अधिक मीठे खाद्य पदार्थ खाने से मॉर्निंग सिकनेस ट्रिगर हो सकती है। ऐसे में इनसे बचकर मॉर्निंग सिकनेस से बचाव में काफी मदद मिल सकती है।

यूजफुल / मधु सिंह

प्रेग्नेंट वूमेन का हैप्पी मम्मी सर्कल!

अनुभा मां बनने वाली थी। उसके पड़ोस में रहने वाली रितिका का भी चौथा महीना चल रहा था। अक्सर दोनों जब शाम को वॉक करने के लिए पार्क में मिलतीं तो अपनी-अपनी प्रेग्नेंसी के बारे में कई तरह की बातें डिस्कस करतीं, जैसे-मॉर्निंग सिकनेस, मूड स्विंग, वजन बढ़ना, वेस्ट साइज बढ़ना और भी ऐसी कई बातें। दोनों अपनी समस्याओं को लेकर काफी देर तक बतियाती रहतीं। दोनों की डिलीवरी का समय जैसे-जैसे नजदीक आ रहा था, उनके आस-पड़ोस की कुछ और प्रेग्नेंट महिलाएं इस मम्मी सर्किल में शामिल हो गईं। इससे उन सभी को अपनी-अपनी कंडीशन डिस्कस करने का अच्छा माहौल मिलने लगा।

सीखने को मिलता है काफी कुछ : कोई भी महिला जब प्रेग्नेंट होती है तो वह हर ऐसी महिला को ध्यान से देखती है, जो प्रेग्नेंसी के दौर से गुजर रही होती है। उसे चाहे वह मार्केट में देखे या डॉक्टर के क्लीनिक में। जैसे ही दोनों में बातचीत का सिलसिला शुरू होता है तो जल्द ही उनमें एक ट्यूनिंग हो जाती है, क्योंकि उनकी बातचीत का मेन एजेंडा मां बनने से संबंधित होता है। ऐसी महिलाओं का ग्रुप एक-दूसरे के लिए बहुत यूजफुल साबित होता है, क्योंकि इनसे उनको बहुत सारी काम की बातें और सीखें मिलती हैं।

कई प्रॉब्लम्स का मिलता है सॉल्यूशन : अगर आप प्रेग्नेंसी के दौरान इससे संबंधित बुक्स पढ़ती हैं तो इनसे बहुत कुछ जान सकती हैं लेकिन इससे जुड़ी कई उलझनों या सवालों का समाधान आपके परिवार की कोई महिला, आपकी फ्रेंड या मम्मी सर्किल से जुड़ी कोई दूसरी प्रेग्नेंट महिला भी कर सकती है। जो महिलाएं इससे गुजर चुकी होती हैं, वे आपके लिए ज्यादा सहायक हो सकती हैं। दरअसल, ये सुझाव प्रैक्टिकल एक्सपीरियंस पर आधारित होते हैं, इसलिए अधिक इफेक्टिव होते हैं। इस तरह आप तमाम समस्याओं के बारे में ना केवल अपनी चिंताओं का निराकरण कर सकती हैं, सुकून से भी रह सकती हैं।

मजबूत होती है दोस्ती : इस मम्मी सर्कल की सबसे अच्छी बात यह है कि प्रेग्नेंसी के दौरान बनी यह दोस्ती, बच्चे के जन्म के बाद भी बनी रहती है बल्कि ज्यादा गहरी हो जाती है। बच्चे के जन्म के बाद एक-दूसरे के साथ बच्चों के विषय में बातें करने के नए-नए विषय इस मम्मी सर्कल की बातचीत में जुड़ जाते हैं।

फिटनेस फंडा / पायल रोहतगी

जानी-पहचानी मॉडल और एक्ट्रेस पायल रोहतगी एक्टिंग के साथ ही अपनी फिटनेस का भी पूरा ध्यान रखती हैं। इसके लिए वे किस तरह का डाइट प्लान और वर्कआउट शेड्यूल फॉलो करती हैं बता रही हैं, पायल रोहतगी।

मेरी लाइफ में फिटनेस बहुत मायने रखती है

लगभग दो दर्जन फिल्मों और कई टीवी शोज में एक्ट कर चुकीं पायल रोहतगी सोशल मीडिया पर भी बहुत एक्टिव रहती हैं। वे 'फियर फैक्टर इंडिया', 'बिग बॉस', 'नच बलिए' जैसे रियालिटी शोज का भी पार्ट रही हैं। हाल ही में आल्ट बालाजी पर टेलिकास्ट हुए रियालिटी शो 'लॉकअप' को लेकर भी वे चर्चा में रहीं। इतना बिजी होने के बावजूद वे काफी फिट दिखती हैं। यहां पायल रोहतगी अपना फिटनेस सीक्रेट **सहेली** से साझा कर रही हैं, अपनी जुबानी।

लेती हूं बैलेंस्ड डाइट

मैं वेजिटेरियन हूं, इसलिए प्रोटीन की जरूरी मात्रा पूरी करने के लिए मूंग दाल चीला या बेसन चीला, बाजरा या ज्वार की रोटी, दाल खाती हूं। इनके अलावा सब्जी, सलाद, दही, ताजे फल लेती हूं या फ्रेश जूस पीती हूं। चाय या कॉफी दिन में केवल एक बार लेती हूं। ब्रेड और मैदे से बनी डिशेज खाने से बचती हूं। जब घर से बाहर होती हूं तो मेरे साथ हमेशा मेरे डाइट स्नैक्स होती हैं। जब मन करता है, तब स्वीट डिश खा लेती हूं या कभी बाहर कुछ खाने का मन होता है तो उसे खा लेती हूं। कहने का मतलब है कि मैं ना तो बहुत ज्यादा खाती हूं, ना ही खुद को भूखा रखती हूं, खाने में बैलेंस रखती हूं। साथ ही अपने बॉडी वेट पर भी नजर रखती हूं।

वॉकिंग-जॉगिंग-एक्सरसाइज

मैं डेली वॉकिंग या जॉगिंग के अलावा योग और वर्कआउट दोनों करती हूं। मेरा मानना है इससे मेरी बॉडी, माइंड और सोल में बैलेंस बना रहता है। मैं अपने फैंस से यही कहूंगी कि अपनी एज और स्ट्रेंथ के अनुसार एक्सरसाइज के साथ वॉकिंग या जॉगिंग भी जरूर करें। अगर जॉगिंग में कंफर्टेबल फील नहीं करतीं तो डेली कुछ समय वॉक जरूर करें। अपने रूटीन बेसिक एक्सरसाइज में बॉडी स्ट्रेचिंग को भी जरूर शामिल करें।

मिस नहीं करती योग करना

फिटनेस मेरी जिंदगी में बहुत ज्यादा मायने रखती है। इसका अंदाजा आप इस बात से लगा सकती हैं कि पिछले 12 साल में एक दिन भी ऐसा नहीं गया, जिस दिन मैंने योग नहीं किया हो। योग मेरे डेली रूटीन का बहुत इंपॉर्टेंट पार्ट है। योग फिट रहने का ऐसा जरिया है, जिसे हर आयुवर्ग का इंसान कर सकता है। इसलिए मैं तो कहूंगी कि हर किसी को अपनी हेल्थ अच्छी रखने के लिए डेली योगाभ्यास करना चाहिए। हम सबका दिन रोज एक जैसा नहीं हो सकता, कभी मन को खुशी तो कभी तनाव और निराशा मिलती है। ऐसे में योग करने से मन को भी शांति और खुशी मिलती है, जीवन में संतुलन बना रहता है, हम पॉजिटिव बने रहते हैं।

कुछ पल बिताती हूं नेचर के करीब

सच कहूं तो एसी के कूल जोन में रहने की बजाय नेचर के करीब खुले वातावरण को ज्यादा एंज्वॉय करती हूं। इसीलिए मैं गार्डन या पार्क में योग-एक्सरसाइज करना पसंद करती हूं। नेचर के करीब कुछ पल बिताने का अपना ही मजा है। जब भी मौका मिलता है, मैं अपने हसबैंड संग्राम के साथ पार्क में वर्कआउट भी करती हूं। इससे फिजिकल फिटनेस के साथ मेंटल पीस भी मिलती है।

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बीते कुछ महीनों से कॉलेज गोइंग गर्ल्स हों या वर्किंग वूमेन या फिर हाउस वाइफ, सभी को न्यूड लिपस्टिक काफी भा रही है। अच्छी बात यह है कि हर स्किन टोन के लिए इसमें अलग-अलग शेड्स मिल जाते हैं। और क्या खास है इसमें, कैसे यह देती है आपके मेकअप को अट्रैक्टिव लुक, जानिए।

न्यूड लिपस्टिक से निखरे लिप्स ब्यूटी

हाल में बीते फेस्टिव सीजन के दौरान महिलाओं के बीच न्यूड लिपस्टिक का ट्रेंड काफी देखने को मिला। एक्सपर्ट्स का कहना है कि आने वाले कई वीक्स तक न्यूड लिपस्टिक ट्रेंड में रहने वाली है।

क्या है न्यूड लिपस्टिक : न्यूड लिपस्टिक बोलने में भले थोड़ी झिझक लगे लेकिन वास्तव में इसका मतलब यह है कि ऐसा लिपस्टिक शेड, जो स्किन टोन से हू-ब-हू मैच करता हो। आमतौर पर जब किसी की स्किन बहुत फेयर हो और वो पर्पल कलर की लिपस्टिक लगा ले या इसी तरह डार्क कॉम्प्लेक्शन वाली महिलाएं डार्क रेड लिपस्टिक लगा लेती हैं, तो वो अलग से चमकने लगती है। इन दोनों से अलग न्यूड लिपस्टिक हू-ब-हू स्किन कलर जैसी होती है। कई बार तो पता ही नहीं चलता कि आपने लिपस्टिक लगाई हुई है या नहीं। न्यूड लिपस्टिक में एक बिल्कुल अलग तरह का ग्लो होता है, लेकिन यह आंखों को चुभता नहीं है। न्यूड लिपस्टिक अपने नेचुरल ग्लो से ब्यूटी में चार चांद लगा देती है।

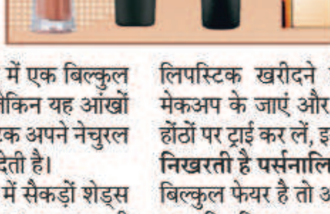

मिलते हैं कई शेड्स : मार्केट में सैकड़ों शेड्स की न्यूड लिपस्टिक मौजूद हैं। दरअसल, सरसरी नजर में भले हम अलग-अलग लोगों के स्किन कलर को गोरे और सांवले में बांट दें, लेकिन हकीकत में इस गोरे और सांवले में भी दर्जनों डिफरेंट शेड्स होते हैं। न्यूड लिपस्टिक की खासियत यह है कि वो हर उस स्किन टोन के लिए उपलब्ध होती है, जो आमतौर पर महिलाओं की स्किन में हो सकती है।

न्यूड लिपस्टिक के फायदे : यह फेस पर लगे हैवी मेकअप को बैलेंस कर देती है, इसलिए हैवी मेकअप से जो ऑड फीलिंग हो सकती है, उसे खत्म कर देती है। लाइट कलर की यह लिपस्टिक फेस अट्रैक्शन को बढ़ा देती है। न्यूड लिपस्टिक की एक खासियत यह भी है कि बहुत कम मेकअप या बिल्कुल मेकअप ना करने पर भी यह फेस लुक को बेहतर ढंग से बैलेंस करती है। लेकिन यह तभी संभव है, जब आप न्यूड लिपस्टिक खरीदते समय अपनी स्किन टोन और लिपस्टिक के शेड्स को बहुत अच्छी तरह से मैच करवा लें। इसलिए जब भी न्यूड लिपस्टिक खरीदने के लिए जाएं तो बिना मेकअप के जाएं और इसे खरीदते समय अपने होंठों पर ट्राई कर लें, इससे आपको हेल्प मिलेगी।

निखरती है पर्सनालिटी : अगर आपकी स्किन बिल्कुल फेयर है तो आपको ब्राइट शेड्स की ही न्यूड लिपस्टिक लगानी चाहिए। अगर आपकी स्किन सांवली है तो लाइट शेड्स की ही लिपस्टिक लगाएं। अगर आप किसी और शेड की लिपस्टिक अप्लाई करती हैं तो आपको गॉर्जियस लुक नहीं मिलेगा।

स्टाइलिश हूप ईयररिंग्स

हालांकि फैशन स्टाइल में अलग-अलग ड्रेस या ज्वेलरी आइटम्स का ट्रेंड आता-जाता रहता है। लेकिन कुछ आइटम्स सालों से आउट ऑफ डेट नहीं होते हैं। हूप ईयररिंग्स भी इन्हीं में से एक है।

कमी नहीं डिजाइंस की : एक से बढ़कर एक ब्यूटीफुल डिजाइंस की रेंज हूप ईयररिंग्स में अवेलेबल हैं। इन ईयररिंग्स में आपको सिंपल लुक के साथ कई तरह स्टाइलिश डिजाइन भी मिल जाएंगी। इसमें आपको गोल्ड-सिल्वर प्लेटेड, क्रिस्टल, प्लास्टिक, पर्ल, स्टोन, बीड्स, ग्लास बीड्स, फ्लैट डिजाइन, रोज गोल्ड, व्हाइट गोल्ड, डायमंड, प्लेटिनम, बेंबू स्टाइल, हूप विद पेंडल, स्टरलिंग सिल्वर हूप, स्पाइरल डिजाइन, रोप्ड हूप, ट्रेडिशनल-एथनिक डिजाइन, ट्विस्ड थिन हूप, ट्राइबल डिजाइन, एल्फाबेट स्टाइल हूप जैसे कई पैटर्न मिल जाएंगे। इसके अलावा इनमें आपको कई तरह के अट्रैक्टिव शेप, प्रिंट्स और मैटेरियल में भी ईयररिंग्स मिल जाएंगे।

कलर ऑप्शन हैं कई : इन ईयररिंग्स में सिंगल कलर से लेकर, डार्क, ब्राइट, लाइट, डबल, टू-टोन कलर, थ्री कलर, ट्रांसपैरेंट, नियॉन, शाइन, कंट्रास्ट, मल्टीकलर तक अवेलेबल हैं। सिल्वर मैटेलिक, गोल्डन और ब्रॉन्ज कलर के हूप भी आपको क्लासी लुक देंगे।

ओवर साइज्ड हूप्स : हूप्स में आप अपनी पसंद के हिसाब से छोटे से लेकर मीडियम या बड़े साइज के ईयररिंग्स पहन सकती हैं। लेकिन इन दिनों ओवरसाइज हूप ईयररिंग्स ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। अगर आप कैजुअल या कूल लुक चाहती हैं तो ओवरसाइज हूप ईयररिंग्स बेस्ट ऑप्शन होगा। इसे आप किसी भी ड्रेस के साथ कैरी कर सकती हैं।

(ज्वेलरी डिजाइनर स्वाति चौहान से बातचीत पर आधारित)

फैशन

श्रग कैरी करने का फैशन नया नहीं, कई सालों से बना हुआ है। लेकिन इन दिनों लॉन्ग श्रग्स का ट्रेंड ज्यादा है। इसमें वैरायटी और डिजाइंस की कमी नहीं है, साथ ही इसे कैरी करने पर आपका ओवरऑल लुक चेंज हो जाता है। इसके पैटर्न और वियरिंग स्टाइल पर एक नजर।

लॉन्ग श्रग से दें ड्रेसअप को नया लुक

अगर आप लेटेस्ट फैशन को फॉलो करती हैं, तो आपको यह पता होगा कि इन दिनों श्रग ट्रेंड में है। लेकिन शॉर्ट नहीं, लॉन्ग श्रग। लॉन्ग श्रग कैरी करने से आपके ड्रेसअप को नया लुक मिल जाता है। आप अपनी पसंद के कलर और डिजाइन के लॉन्ग श्रग्स को ऑफलाइन या ऑनलाइन स्टोर से खरीद सकती हैं।

मौजूद हैं कई पैटर्न

लॉन्ग श्रग, शॉर्ट श्रग जैसा ही होता है। बस, इसके स्टाइल और लेंथ में अंतर होता है। इसकी लेंथ ही इसे अन्य श्रग्स से स्पेशल बनाती है। लेंथ में भी ये तीन अलग-अलग पैटर्न में मिल जाएंगे-थाई लेंथ, काफ लेंथ और ऐंकल लेंथ। इसमें फुल लेंथ में फ्लेयर श्रग्स भी ट्रेंड में हैं। लॉन्ग श्रग्स में स्लीव्स के भी कई पैटर्न आपको मिल जाएंगे। जैसे- हाफ स्लीव्स, क्वार्टर स्लीव्स, टाइट स्लीव्स, बेल स्लीव्स, पफ स्लीव्स। आप अपनी पसंद के अकॉर्डिंग कोई भी चुन सकती हैं। लॉन्ग श्रग में प्लेन के अलावा कलरफुल कॉम्बिनेशन भी आपको मिल जाएगा। इसी तरह फ्लोरल और डबल साइडेड श्रग्स भी ईजिली मार्केट में मिल जाते हैं। इसमें नॉर्मल हॉजरी फैब्रिक के अलावा कॉटन विद लाइक्रा फैब्रिक मिल जाता है। इसके अलावा इसमें क्रोशिया, नेट, शिफॉन और जार्जेट फैब्रिक भी पसंद किया जाता है। वैसे तो इनमें सभी कलर अच्छे लगते हैं, लेकिन इन दिनों इसमें ब्राइट कलर ट्रेंड में हैं।

खरीदने से पहले रखें ध्यान

श्रग की खरीदारी करते समय खास ध्यान रखें कि यह थिन यानी पतले फैब्रिक में हो। साथ ही फैब्रिक में लाइक्रा फैब्रिक का ब्लेंड जरूर हो। लाइक्रा फैब्रिक की ब्लेंडिंग से आप बगैर किसी परेशानी के बॉडी मूवमेंट्स कर सकती हैं। थिक फैब्रिक का श्रग कैरी करने से लेयर फैट को हाइट करना मुश्किल होता है और इस वजह से स्टाइलिश दिखने के बजाय आप फैटी दिख सकती हैं।

कहां करें कैरी

लॉन्ग श्रग्स को किसी भी सीजन में पहन सकते हैं। लॉन्ग श्रग को आप कॉलेज, ऑफिस, गेटटूगेदर या फॉर्मल पार्टीज में कैरी कर सकती हैं। ऐसा नहीं है कि लॉन्ग श्रग सिर्फ प्लस साइज की महिलाएं ही कैरी कर सकती हैं। स्लिम महिलाएं भी इसे पहनकर अपने लुक्स को और अट्रैक्टिव दिखा सकती हैं। लेकिन लॉन्ग श्रग कैरी करते समय कुछ बातों का ध्यान रखें-

- फ्रेंड्स के साथ गेटटूगेदर पर कुछ अलग दिखना चाहती हैं तो लॉन्ग श्रग्स पहनें।
- जींस के साथ, क्रॉप टॉप या स्लीवलेस ऑनपीस ड्रेस या प्लाजो पैंट के साथ भी लॉन्ग श्रग्स अच्छे लगते हैं।
- ऑफिसियल वियर में कॉटन फैब्रिक ड्रेसअप पर ब्लॉक प्रिंट वाले लॉन्ग श्रग्स आप पहन सकती हैं। यह कॉम्बिनेशन आपके लुक्स को उभारेगा।

जागरूक खबरें

■ ऑनलाइन अभिलाषा विशेष साहित्यिक महोत्सव आयोजित

लुधियाना @ जागरूक जनता। पुनीत अनुपम साहित्यिक समूह द्वारा रचनाकारों को मन की भावनाओं व इच्छाओं को रचनात्मक तरीके से प्रस्तुत करने का अवसर देने के उद्देश्य से ऑनलाइन अभिलाषा विशेष साहित्यिक महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसका 'विषय - अभिलाषा' रखा गया। कार्यक्रम में उत्कर्ष रचनाकारों का 'पुनीत साहित्य शशि' सम्मान देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समूह के संस्थापक एवं अध्यक्ष पुनीत कुमार ने स्थिर मन की भावनाओं व इच्छाशक्ति को किसी भी उद्देश्य की प्राप्ति का महत्वपूर्ण साधन बताते हुए लोगों को अपने संघर्ष भरे जीवन में चाह से राह बनाने के लिए प्रेरित किया। महोत्सव में प्राप्ति सिंह, सीमा मोटवानी, कल्पना यादव, रंजन लाल 'बेफिक्र' शामिल हुए।

■ भाकिस का धरना समाप्त

जालोर @ जागरूक जनता। जिला मुख्यालय पर कलेक्ट्रेट के सामने भारतीय किसान संघ के नेतृत्व में दिया गया धरना बीते दिनों समाप्त हो गया। जवाई बांध के पानी को नदी में छोड़ने की मांग को लेकर भारतीय किसान संघ के बैनर तले किसानों ने धरना दिया था, इसमें कई किसान आमरण अनशन पर भी बैठे थे। 6 दिन बाद आमरण अनशन पर बैठे किसानों को लेटा महंत रणछोड़ भारती ने मनाकर आमरण अनशन समाप्त करवाया था। जबकि धरना जारी रहा था। उसके बाद एक प्रतिनिधिमंडल ने जयपुर में जल संसाधन मंत्री व प्रमुख शासन सचिव से मुलाकात कर जवाई के पानी पर चर्चा की थी। रविवार को फिर से लेटा महंत रणछोड़ भारती ने किसानों के साथ वार्ता का आश्वासन दिया। साथ ही 10 दिन में नदी में पानी नहीं छोड़ने पर फिर से धरना देने का भरोसा देते हुए वर्तमान के धरने को स्थगित करने का निर्णय किया। भाकिसं के सम्भाग मंत्री रतनसिंह कानीवाड़ा ने बताया कि अभी धरना स्थगित करने का निर्णय किया गया है, दस में सरकार कोई ठोस नीति नहीं बनाती है तो पुन: धरना दिया जाएगा।

■ गौड़ ब्राह्मण महासभा का सम्मेलन 13 को जयपुर में

केकड़ी @ जागरूक जनता। गौड़ ब्राह्मण महासभा राजस्थान के द्वारा दिनांक 13 नवंबर 2022 को बिरला ऑडिटोरियम जयपुर में राष्ट्रीय गौड़ सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है जिसमें गौड़ समाज के परिवार को राष्ट्रीय स्तर पर एक सूत्र में पिरोना एवं गौड ब्राह्मण समाज का विजन डॉक्युमेंट तैयार करना भारत के सभी प्रदेशों से समाज के प्रतिनिधि व समाज के लाइन ऑफ एक्शन को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाना कार्यक्रम का उद्देश्य है। समाज को जोड़ने के उद्देश्य से गौड़ ब्राह्मण महासभा राजस्थान के प्रदेश युवा उपाध्यक्ष केदार शर्मा एवं केकड़ी तहसील इकाई के अध्यक्ष महेंद्र प्रधान ने सभी गौड़ ब्राह्मण परिवार से संपर्क कर 13 नवंबर को जयपुर में आयोजित होने वाले सम्मेलन की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक संख्या में पधारने का आग्रह किया। केदार शर्मा ने बताया कि सम्मेलन में संपूर्ण भारत के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय प्रविष्ठियां भी प्राप्त हुई है साथ ही साथ समाज के विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने के लिए बौद्धिक रूप से भी सुझाव विकसित किए जा रहे हैं।

भारत जोड़ो यात्रा : सीएम के नजदीकी धर्मेंद्र राठौड़ ने यात्रा मार्ग पर शुरू की तैयारी

सर्द रात में दो दिन खेतों में ठहरेंगे राहुल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सवाईमाधोपुर। सवाईमाधोपुर जिले में होकर गुजर रहे कोटा-लालसोट मेगा हाइवे के बीच में दिसम्बर माह की सर्दी भरी रात में कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी खेतों में दो दिन ठहराव करेंगे। इसके लिए दो स्थलों को चिन्हित किया जाना है। इसके लिए फिलहाल आधा दर्जन स्थलों को देखा गया है जिनमें से 2 स्थान चयनित किए जाएंगे। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दिसम्बर माह में सवाईमाधोपुर जिले से गुजरने का कार्यक्रम है। इसको लेकर अभी से तैयारी शुरू कर दी गई हैं। इसके लिए आरटीडीसी चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ यहां पहुंचे और यात्रा के मार्ग का जायजा लेते हुए प्राथमिक तौर पर ठहराव स्थल देखे। उन्होंने अधिकारियों तथा बामनवास विधायक इंदिरा मीना से इस सम्बन्ध में चर्चा भी की।

आगामी दिसम्बर माह में जिले में आने वाली कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा की तैयारियां शुरू हो गई हैं। सोमवार को आरटीडीसी चैयरमेन धर्मेंद्र राठौड़ ने मलारना डूंगर में आकर यात्रा मार्ग का जायजा लिया। उन्होंने यात्रा ठहराव के लिए जगह चिन्हित की है। इस दौरान राठौड़ ने स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं व मीडिया से दूरी बनाए रखी।

सूत्रों के अनुसार दिसम्बर माह में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा जिले में कोटा-लालसोट मेगा हाइवे होकर मलारना डूंगर से निकलने वाली है। सवाईमाधोपुर विधानसभा क्षेत्र में मलारना डूंगर उपखण्ड क्षेत्र के भाड़ौती टोल नाका व बनास नदी के बीच व दूसरी जगह बामनवास विधान सभा क्षेत्र में टोंड-जस्टाना के बीच इस यात्रा का ठहराव हो सकता है। इसी को लेकर आरटीडीसी चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ मलारना डूंगर क्षेत्र में पहुंचे। उन्होंने उपखण्ड अधिकारी किशन मुरारी मीना व अन्य अधिकारियों के साथ दोनों जगह मौका देखा। इसके बाद तैयारियों को लेकर सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश भी दिए।

पर्स लौटाकर जैन ने दिया ईमानदारी का परिचय

कोटा @ जागरूक जनता। देव उठनी ग्यारस के दिन ओटो ड्राइवर का कैथून रोड , फोर लाइन पर ओटो के अंदर पर्स गिर गया शादी से लौटते समय घर जा रहे शुभम जैन को पर्स मिल गया। पापा व भाई को बता कर पर्स में लिखे नं पर सम्पर्क करके ओटो ड्राइवर रमेश सुमन को पर्स लौटा दिया। पर्स में 10 हजार रूपये व ज़रूरी दस्तावेज़ थे, ओटो ड्राइवर ने शुभम जैन को धन्यवाद दिया।

आराध्य संत शिरोमणि श्री नामदेवजी महाराज का 752 वी जयंतिवर्ष धूमधाम से मनाया

जालौर @ जागरूक जनता। छीपा समाज के आराध्य संत शिरोमणि श्री नामदेवजी महाराज का 752 वी जयंतिवर्ष , नामदेव युवा परिषद जालोर द्वारा नामदेव छात्रावास आहोर में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में संत नामदेव जी महाराज, विठ्ठल भगवान एवं चामुंडा माताजी की पूजा अर्चना एवं आरती ढोल धमाके के साथ कि गयी एवं प्रसाद वितरण किया गया, संत नामदेव जी महाराज के जन्मोत्सत्व के पर्व पर युवा परिषद द्वारा गौमाता एवं स्वान(कुत्ते) को चांदी के थाल में गुड एवं लड्डू वितरण किया गया, पिछले वर्ष भी इसी प्रकार से पूरे जिले भर में छीपा समाज द्वारा 2200 किलो गुड़ एवं 8000 किलो गौमाता को चारा वितरण कर एक कीर्तिमान बनाया गया था, संत नामदेव जी जन्मोत्सव कार्यÿ म आज पूरे देशभर में नामदेव समाज द्वारा पूरे उल्लास के साथ मनाया जा रहा है, आहोर के निकटवर्ती हरजी में भी नामदेव महाराज जन्मोत्स्व पूरे उल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर बूटा राम छीपा, जैसाराम परमार, नामदेव युवा परिषद जालोर के जिलाध्यक्ष खीमराज नामदेव, जिलाउपाध्यक्ष धनराज नामा हरजी, सुरेश चौहान, भरत चौहान गुडा बालोतान, भेरू लाल चौहान, बाबूलाल गहलोत जोगावा, महेंद्र परिहार चांदराई, सुरेश परमार चांदराई, महेंद्र परमार आहोर, ललिता चौहान गुडा बालोतान, दुर्वि चौहान गुडा बालोतान उपस्तिथ रहे।

66वीं जिला और राज्य स्तरीय प्रतियोगिता

प्रथम समूह की खेलकूद प्रतियोगिताएं 13 से

जालौर @ जागरूक जनता। 11 और 14 वर्ष आयु वर्ग के लिए 66वीं जिला और राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय राजस्थान बीकानेर ने टाइम टेबल जारी किया है। जिला स्तर पर 13 नवंबर से 16 नवंबर तक प्रथम समूह की खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित होगी। जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक शिक्षा श्रीराम गोदारा ने बताया कि जिले में 3 समूह में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन करवाया जाएगा। सभी प्रतियोगिताओं को लेकर 6 नवंबर 2022 से पहले स्कूल स्तर पर अन्तर सदन खेल प्रतियोगिता कराई जानी है। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए टीमों को जिला स्तर पर भेजा जाएगा और जिला स्तर से चयनित खिलाड़ी राज्य स्तर पर भाग लेंगे। जिला स्तर पर 13 नवंबर से 16 नवंबर तक प्रथम समूह की खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। जिसमें कबड्डी, खो-खो, बैडमिंटन, सॉफ्टबॉल, कुश्ती, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस, जूडो, हॉकी, हैंडबॉल, फुटबॉल, जिम्नास्टिक, तैराकी, बास्केटबॉल, लॉन टेनिस और क्रिकेट की प्रतियोगिता आयोजित कराई जाएगी। शिक्षा विभाग के खेलकूद प्रतियोगिताओं में शामिल हुए नए खेलों को विभाग द्वारा द्वितीय समूह में आयोजित कराया जाएगा। यह आयोजन जिला स्तर पर 17 नवंबर से 20 नवंबर तक होगा। इस समूह में नए खेल बॉक्सिंग, साइकलिंग, बॉल बैडमिंटन, टेनिस वॉलीबॉल, टेनिस बॉल क्रिकेट, राइफल शूटिंग, मिनी गोल्फ, नेटबॉल, रोलर स्केटिंग, स्पीडबॉल, तीरंदाजी, अखाड़ा, स्काय मार्शल आर्ट, रोलबॉल, कूड़ो, थ्रो बॉल और शतरंज आयोजित किए जाएंगे। वहीं तृतीय समूह में 14 वर्ष आयु वर्ग के स्टूडेंट्स की एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन जिला स्तर पर 21 नवंबर से 24 नवंबर तक होगा। एथलेटिक्स का राज्य स्तरीय आयोजन भी जालौर के भीनमाल में 11 जनवरी 2023 से 15 जनवरी 2023 तक प्रस्तावित किया गया है।

पंचायतीराज संस्थाओं के रिक्त पदों पर चुनाव 25 को

जालौर @ जागरूक जनता। जिले में पंचायतीराज संस्थाओं के रिक्त पदों पर उपचुनाव के लिए कार्यक्रम तय किया गया है। राजस्थान में पंचायती राज उपचुनाव की घोषणा हो चुकी है। इसके साथ ही जालोर जिले में भी पंचायतीराज संस्थाओं के रिक्त पदों पर उपचुनाव के लिए कार्यक्रम तय किया गया है। जिले में रिक्त पदों वाले क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। 25 नवंबर को सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान होगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल ने बताया कि जालोर जिले में जालोर पंचायत समिति की आकोली ग्राम पंचायत में सरपंच और बागोड़ा पंचायत समिति की कुका और भीनमाल पंचायत समिति की कोरा ग्राम पंचायत में उपसरपंच पद के लिए उपचुनाव करवाए जाएंगे। वहीं सरनाऊ पंचायत समिति में उपप्रधान और वार्ड संख्या 9 पर पंचायत समिति सदस्य के लिए उपचुनाव करवाए जाएंगे।

9100 मीट्रिक टन यूरिया की हुई आपूर्ति

जालौर @ जागरूक जनता। कलेक्टर निशांत जैन के प्रयासों से अक्टूबर महीने में 9100 मीट्रिक टन यूरिया की आपूर्ति हुई है। जालोर कलेक्टर निशांत जैन के प्रयासों से अक्टूबर महीने में 9100 मीट्रिक टन यूरिया की आपूर्ति हुई है। जिले में 7500 मीट्रिक टन की जरूरत थी। वहीं 6000 मीट्रिक टन उर्वरक जालोर जिले को मिला है। कलेक्टर निशांत जैन ने बताया कि वर्तमान में जिले में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है। जिसमें 5350 मीट्रिक टन यूरिया, 2900 मीट्रिक टन डीएपी, 1432 सिंगल सुपर फास्फेट, 400 मीट्रिक टन एनपीकेएस, 134 मीट्रिक टन म्यूरेट ऑफ पोटाश उर्वरक जिले की 200 से अधिक सहकारी और निजी क्षेत्र की उर्वरक की दुकानों में उपलब्ध है। जालोर रेलवे स्टेशन पर 1 रैक हिण्डालको कंपनी का डीएपी और 1 रैक कृभको कंपनी का यूरिया प्राप्त हो चुका है। उन्होंने जिले के किसानों से अपील की कि वे आवश्यकतानुसार ही उर्वरकों लें। किसानों की मांग के अनुसार सहकारी और निजी कंपनियों द्वारा उर्वरकों की आपूर्ति लगातार जारी रहेगी।

केकड़ी में नहीं रहेगी यूरिया की किल्लत-शर्मा

केकड़ी। खेती-बाड़ी के सीजन में इन दिनों चल रही यूरिया की किल्लत से आगे किसानों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा, इसके लिए ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह शक्तावत ने मामले को विधायक एवं पूर्व चिकित्सा मंत्री डॉ रघु शर्मा को अवगत कराया है। शक्तावत ने जानकारी दी है कि इस मामले को डॉ रघु शर्मा ने बहुत ही गंभीरता से लेते हुए कृषि मंत्री लालचंद कटारिया से चर्चा की और खाद की किल्लत को दूर कर पर्याप्त मात्रा में यूरिया उपलब्ध कराने की मांग रखी। इस पर एसडीएम विकास पंचोली से भी क्षेत्र में खाद की किल्लत की स्थिति की जानकारी ली गई है मांग के अनुरूप क्षेत्र में यूरिया उपलब्ध करवाया जाएगा। पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराने का प्रयास शुरू कर दिया गया है। जल्द ही पर्याप्त मात्रा में क्षेत्र के किसानों को यूरिया खाद उपलब्ध होगा। इसके लिए पूरे विधानसभा क्षेत्र की मांग के अनुरूप यूरिया खाद उपलब्ध कराई जाएगी।

संत महात्माओ के मार्गदर्शन से की हिंदू हितचिंतक सदस्यता अभियान की शुरुआत

केकड़ी @ जागरूक जनता। विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल केकड़ी के द्वारा आज हिंदू हितचिंतक सदस्यता बनाओ अभियान की शुरुआत आज की गई। नगर मंत्री रोहित राठी ने बताया कि हिंदू हित चिंतक अभियान के तहत आज शहर के जुनिया प्रखंड स्थित संत आश्रम में आयोजित हो रहे संत सम्मेलन से की गई जिसमे उपस्थित जूनिया गणेश बड़ी आश्रम संत हनुमान दास महाराज, महरूकला आश्रम संत हरिदास महाराज, वृंदावन के संत रघुनाथ दास महाराज के मार्गदर्शन में सदस्य बनाये गए। परिषद का मुख्य उद्देश्य हिन्दू समाज की सर्वांगीण उन्नति, धर्म संस्कृति की रक्षा, समरसता पूर्ण अखंड भारत निर्माण करना हे धर्म रक्षार्थ परिषद द्वारा अनेक प्रकल्प चला कर किये जा रहें है। हिंदु हित चिंतक सदस्यता अभियान आज प्रारंभ किया गया जो 19 नवंबर तक चलेगा और इस अभियान में लगभग 20 हजार हिंदू हित चिंतक सदस्य बनाएं जायेंगे। इस दौरान विश्व हिंदू परिषद के जिला उपाध्यक्ष चांदमल जैन, हीराचंद खुटेटा, प्रखंड अध्यक्ष महावीर सिंह भाटी, नगर अध्यक्ष,चंद्रप्रकाश विजय, नगर मंत्री रोहित राठी, नगर उपाध्यक्ष हेमराज सैनी, बजरंग दल प्रखंड संयोजक रामवतार चौधरी पृथ्वीराज चौहान सहित कही कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अर्बन बैंक कपासन का ग्राहक संपर्क अभियान व ग्राहक मेला संपन्न

ग्राहकों का विश्वास अर्बन बैंक की पूंजी-सेठिया

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ अर्बन कोऑपरेटिव बैंक के चेयरमैन डॉ आई एम सेठिया ने कहा की अर्बन बैंक समाज के छोटे व्यक्तियों का छोटा बैंक जरूर है,लेकिन ग्राहक सेवा के नाते प्रतिस्पर्धात्मक युग में निजी एवं राष्ट्रीय बैंकों के समकक्ष सेवाएं बैंक के ग्राहकों को उपलब्ध कराने के लिए कटिबद्ध है। ग्राहकों का विश्वास ही अर्बन बैंक की पूंजी है। यह बात अर्बन बैंक की कपासन शाखा के स्थापना दिवस पर कपासन में आयोजित ग्राहक मेला एवं विशाल ग्राहक संपर्क अभियान को मुख्य अतिथि के नाते संबोधित करते हुए व्यक्त किए। बैंक प्रबंध निदेशक वंदना वजीरानी ने कहा की बैंक स्थापना से लेकर अब तक बैंक ने सामाजिक सहभागिता में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हे। विशिष्ट अतिथि के नाते बैंक निदेशक बालकिशन धुत, रणजीत सिंह नाहर, हेमंत शर्मा, कल्याणी दीक्षित, बाबर मल मीणा, राजेश काबरा,वरिष्ठ अधिवक्ता बालेंदु कोठारी, नगरपालिका उपाध्यक्ष ऐजाज अली, बंशी लाल लड्ढ़ा एडवोकेट ने भी विचार व्यक्त कर बैंक शाखा के स्थापना दिवस पर बधाई देते हुए बैंक से जुड़कर सहकारिता को मजबूती प्रदान करने का आग्रह आमजन से किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में बैंक अध्यक्ष डा सेठिया सहित अतिथिगणों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। बैंक शाखा प्रबंधक अंकित श्रीवास्तव, दामोदर चेचाणी, मनीष पराशर, तरुण छाजेड, आशीष बारेगमा ने अथितियो का उपर्ना पहना कर अभिनंदन किया। कार्यक्रम में अशोक शर्मा, श्याम लाल पलोड़, शांति लाल सेठ, दिलीप बारेगामां, अशोक वैष्णव, अख्तर हुसैन, राजा नीलगर, अली अंसारी, धीरज कुमावत भूरालाल कुमावत नंद लाल गर्ग, नंद किशोर टेलर, भागीरथ चंदेल, कुणाल उपाध्याय आदि में महत्वपूर्ण सुझाव दिए। कार्यक्रम का संचालन व आभार व्यक्त शाखा प्रबंधक अंकित श्रीवास्तव ने व्यक्त किया।

चिरंजीवी योजना में चित्तौड़गढ़ ने लहराया परचम

जिले में 3.50 लाख से अधिक परिवार पंजीकृत

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। चिकित्सा क्षेत्र में राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना प्रदेश वासियों के लिए वरदान साबित हो रही है। जिला कलक्टर अरविंद कुमार पोसवाल के नेतृत्व में चित्तौड़गढ़ जिले ने योजना के क्रियान्वयन में हाल ही जारी रैंकिंग में राज्य में दूसरा स्थान प्राप्त किया है।

2 माह में तीन हजार से ज्यादा परिवार जुड़े

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामकेश गुर्जर ने बताया कि चिकित्सा कार्मिकों,आशा सहयोगिनी एवम् एएनएम द्वारा घर-घर जाकर वंचित परिवारों को योजना के संबंध में समस्त जानकारी दी गई। इसके फलस्वरूप गत दो माह में तीन हजार से अधिक परिवारों के द्वारा योजना में अपना पंजीकरण करवाया गया।योजना के तहत 10 लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा के साथ-साथ 5 लाख रुपए तक का दुर्घटना बीमा भी दिया जा रहा है ।

किस श्रेणी में कितने परिवार

जिला समन्वयक डॉ. मुनेश कुमार बैरवा ने बताया कि जिले में कुल 4 लाख 67 हजार 270 जनाधार कार्ड वाले परिवार हैं। इनमें 3 लाख 50 हजार 671 परिवार जिसमें एनएफएसए व एसईसीसी 2.51 लाख से अधिक परिवार, लघु एवं सीमांत कृषक 63754, कोविड अनुग्रहित 14871, संविदा कर्मी 1179 एवं 850 रूपये प्रीमियम देकर पंजीकृत 13 हजार 529 परिवार शामिल हैं।

जिले में 31 अस्पताल अधिकृत

उन्होंने बताया कि जिले में कुल 31 अस्पताल योजना में अधिकृत हैं। 26 राजकीय चिकित्सालय एवं 5 निजी अस्पताल (एमपी बिरला हॉस्पिटल,अक्षर ऑर्थोपेडिक हॉस्पिटल, पर्ल हॉस्पिटल चित्तौड़गढ,राजस्थान हॉस्पिटल बस्सी,एसपीएस हॉस्पिटल, कपासन) शामिल हैं। 30 हजार से अधिक परिवार योजना अंतर्गत लाभान्वित हो चुके हैं। योजना में जल्दी से जल्दी अपने नजदीकी ई-मित्र पर जाकर या स्वयं की एसएसओ आईडी के माध्यम से चिरंजीवी योजना में पंजीकरण करवा कर अपने परिवारों को सुरक्षित करें।

राजसमंद जिले में इन चार फसलों का होगा बीमा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

राजसमंद। जिले में चार फसलों का बीमा होगा और खराबा होने पर उसका मुआवजा भी मिलेगा। कृषि विभाग के उप निदेशक (विस्तार) के.सी.मेघवंशी ने बताया कि प्रधानमंत्री फ सल बीमा योजना के माध्यम से जिले में रबी 2022 की फसलों का बीमा के लिए अधिसूचना जारी की गई है। प्रधानमंत्री फ सल बीमा योजना के तहत जिले के लिए एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड कार्य कर रही है। ऋणी व गैर ऋणी कृषक अपने खेत में बोई हुई फ सलों का बीमा 31 दिसम्बर तक करा सकते है। जिले में जौ, चना, सरसों और गेहू की फ सलें अधिसूचित है। तहसील भीम, गढ़बोर, खमनोर व कुंभलगढ़ में गेहूं, कुंवारिया, आमेट, नाथद्वारा, देवगढ़, राजसमंद व देलवाड़ा में गेहूं और जौ, रेलमगरा में गेहूं, जौ, चना और सरसों की फ सलों का ही बीमा होगा। बीमित राशि एवं प्रीमियम राशि जिले में फ सलवार निर्धारित की गई है। रबी फ सलों के लिए बीमित राशि अधिकतम 1.5 प्रतिशत कृषक द्वारा वहन की जाएगी। शेष राशि का 50-50 प्रतिशत के अनुपात में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा देय होगा।

उन्होंने बताया कि रबी फ सल बीमित राशि एवं कृषक द्वारा देय प्रीमियम राशि जौ 40148 व 602.22 प्रति हेक्टयर, चना 51808 व 777.12 प्रति हेक्टयर, सरसों 41376 व 620.64 प्रति हेक्टयर और गेहूं 60515 व 907.73 प्रति हेक्टयर है। उन्होंने बताया कि किसान ने कौनसी फ सल बोई इसका प्रमाण पत्र देना होगा। अगर कोई कृषक इस योजना से बाहर होना चाहता है तो लिखित रूप से 24 दिसम्बर तक बैंक में जमा करा दें और कोई कृषक अपनी फ सल में परिवर्तन करवाना चाहता है तो 29 दिसम्बर 2022 तक करवा सकते है। साथ ही गैर ऋणी व बटाईदार कृषक अपनी फ सलों का बीमा निकट के केंद्रीय सहकारी बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक एव वाणिज्यिक बैंक की संस्थाओ एवं सीएससी के माध्यम से करवाने के लिए आधार कार्ड, नई जमाबंदी, पासबुक व बुवाई प्रमाणपत्र के दस्तावेजों की आवश्यकता होती है।

तबादलों के लिए अब नए आवेदन नहीं, सूचना चस्पा

बीकानेर @ जागरूक जनता। शिक्षा विभाग में तबादलों के लिए शिक्षा मंत्री से लेकर निदेशालय तक को अब तक प्राप्त परिवेदनाओं का निस्तारण कर अंतिम तबादला सूचियां तैयार हो रही हैं। सोमवार को दिनभर शिक्षा निदेशालय के अधिकारी इस पर काम करते रहे। इसी के साथ शिक्षा मंत्री के निर्देश पर उनके निजी और सरकारी सचिव ने तबादलों के लिए नए आवेदन नहीं लेने की सूचना भी चस्पा कर सोशल मीडिया पर वायरल कर रखी है। शिक्षा मंत्री के निर्देश का हवाला देते हुए सूचना में लिखा गया है कि विद्यालयों में मध्यकालीन शिक्षा सत्र होने एवं बोर्ड परीक्षा नजदीक होने के कारण शिक्षणकार्य में व्यवधान होने के मद्देनजर नवीन स्थानांतरण संबंधी प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाना संभव नहीं है। सूत्रों के मुताबिक शिक्षा मंत्री दो दिन पहले ही अपने पूरे स्टाफ और निदेशालय के अधिकारियों को अब तबादलों के लिए परिवाद नहीं लेने का कह चुके हैं। इसी के साथ पहले से अलग-अलग स्तर से प्राप्त डिजायर, परिवेदना और शिक्षा मंत्री कार्यालय को मिले तबादला प्रार्थना पत्रों को निस्तारण के लिए सूचीबद्ध किया गया है। माना जा रहा है कि सोमवार देर रात या मंगलवार को सभी तबादला सूचियां जारी कर दी जाएंगी। शिक्षा मंत्री डॉ. बीडी कल्ला पहले ही तबादलों पर रोक लगने के संकेत दे चुके हैं।

तबादला सूची का इंतजार

मंगलवार को गुरुनानक जयंती अवकाश के चलते निदेशालय में छुट्टी है। इसके बावजूद तबादला सूचियों को अंतिम रूप देने के चलते अधिकारियों और कर्मचारियों में गहमा गहमी है। सूत्रों के मुताबिक सभी परिवेदनाओं और डिजायरों का शिक्षा मंत्री ने निस्तारण कर अपनी सिफारिश के साथ निदेशक को दे दी है। निदेशालय के एक वरिष्ठ कार्मिक के माध्यम से इनकी श्रेणीवार छंटाई कर सूचियां टाइप की जा चुकी है।

भारत विकास परिषद् दक्षिण प्रान्त द्वारा आयोजित प्रान्त स्तरीय राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता

संस्कारी पीढ़ी से होगा स्वर्णीय भारत का निर्माण-डॉ. जयराज आचार्य

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चितौड़गढ़। भारत विकास परिषद् सम्पर्क सहयोग, संस्कार, सेवा व समर्पण के पॉच सूत्रों में संस्कार की धूरी बनाकर गुरूवन्दन छात्र अभिनन्दन भारत को जानो समूहगान प्रतियोगिता व संस्कृति सप्ताह के माध्यम से देश की भावी पीढ़ी में संस्कारों का बीजारोपण करती है क्योंकि संस्कारी पीढ़ी से ही स्वर्णीम भारत का निर्माण होगा। ये विचार जौहर भवन में भारत विकास परिषद्, चितौड़गढ़ शाखा के आतिथ्य में भारत विकास परिषद् दक्षिण प्रान्त द्वारा आयोजित प्रान्त स्तरीय राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता के उद्धघाटन सत्र में मुख्य अतिथि रीजनल संयुक्त महासचिव डॉ. जयराज आचार्य ने व्यक्त किये। कार्यक्रम को प्रान्तीय अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमावत ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम के दौरान उदयपुर 'प्रताप' शाखा की टीम सेन्ट्रल एकेडमी स्कूल सरदारपुरा, उदयपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। भारत विकास परिषद्, उदयपुर 'सुभाष' शाखा की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया एवं तृतीय स्थान पर आसपुर शाखा ने प्राप्त किया। विशिष्ठ अतिथि गितेश मालवीया, अतिरिक्त कलेक्टर एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सांवलियाजी मन्दिर मण्डल द्वारा विजेता टीमों को पारितोषिक वितरण किया गया। कार्यक्रम में पर्यवेक्षक रीजनल मंत्री गुणमाला अग्रवाल, रीजनल मंत्री संस्कार संजीव भारद्धाज, प्रान्तीय महासचित गिरिश सोमपुरा ने विचार व्यक्त किये। पूर्व प्रान्तीय अध्यक्ष कमल जैन ने सभी अतिथियों का परिचय कराया। शाखा अध्यक्ष बालकृष्ण धूत ने शब्द सुमनों द्वारा स्वागत किया। शाखा संरक्षक डॉ. आई.एम. सेठिया, प्रकल्प प्रभारी भगवतीलाल समदानी एवं प्रान्तीय वित समन्वयक रामलाल बैरवा भी मंचासीन थे। शाखा चितौड़गढ़ से महेश नुवाल ने संचालन किया।

R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758
डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2021-23

जागरूक खबरें

■ प्रदेश में पौने दो करोड़ आबादी को मिलेगा लाभ

जयपुर @ जागरूक जनता। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को दस प्रतिशत आरक्षण को वैध ठहराने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश को प्रदेश की करीब पौने दो करोड़ आबादी के हित में बताया जा रहा है। राज्य आर्थिक पिछड़ा वर्ग बोर्ड के अध्यक्ष अनिल शर्मा का कहना है कि प्रदेश में करीब पौने दो करोड़ आबादी आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के दायरे में है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट के आदेश का निश्चित तौर पर इस आबादी को लाभ मिलेगा।बोर्ड ने पिछले दिनों इस वर्ग को आरक्षण का लाभ मिलने में आ रही अड़चनों की ओर सरकार का ध्यान दिलाया। विवाहित महिलाओं के मामले में जो प्रावधान हैं, उनसे महिलाओं को आरक्षण का लाभ मिलने में दिक्कत आ रही है। इस समस्या का समाधान निकलने से विवाहित महिलाओं को आरक्षण का लाभ मिलने में आ रही परेशानियां दूर हो सकेंगी।

■ अन्तर्राष्ट्रीय पुष्कर मेले का समापन

अजमेर @ जागरूक जनता। राजस्थान में अजमेर के तीर्थराज पुष्कर में ख्याति प्राप्त अन्तर्राष्ट्रीय पुष्कर मेले का आज विधिवत समापन हो गया। मेला मैदान पर आयोजित प्रतियोगिताओं के साथ विजेताओं को पुरूस्कृत किया गया। मेला रंगबिरंगी छटा के बीच देशी-विदेशी मेहमानों के लिये यादगार बन गया। रस्साकशी-चम्मच रेस-बोरा रेस जैसी प्रतियोगिता का जमकर लुफ्त उठाया गया। मेले में पहली बार शामिल कारागृह बैण्ड ने भी अपनी कला का प्रदर्शन कर सबका मन मोह लिया।

■ देश का पहला प्राइवेट रॉकेट लॉन्चिंग को तैयार

नई दिल्ली। भारत का पहला प्राइवेट रॉकेट विक्रम-एस 12 नवंबर से 16 नवंबर के बीच लॉन्च के लिए तैयार है। हैदराबाद स्थित अंतरिक्ष स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस ने मंगलवार को यह घोषणा की। स्काईरूट एयरोस्पेस का पहला मिशन, जिसका नाम 'प्रारंभ' है, तीन लोगों को ले जाएगा। इसे श्रीहरिकोटा में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के लॉन्चपैड से लॉन्च किया जाएगा। स्काईरूट एयरोस्पेस के सीईओ और सह-संस्थापक पवन कुमार चंदना ने कहा, "अधिकारियों ने 12 नवंबर से 16 नवंबर के बीच लॉन्च विंडो को नोटिफाई किया है।

तिरूपति मंदिर की नेटवर्थ ढाई लाख करोड़

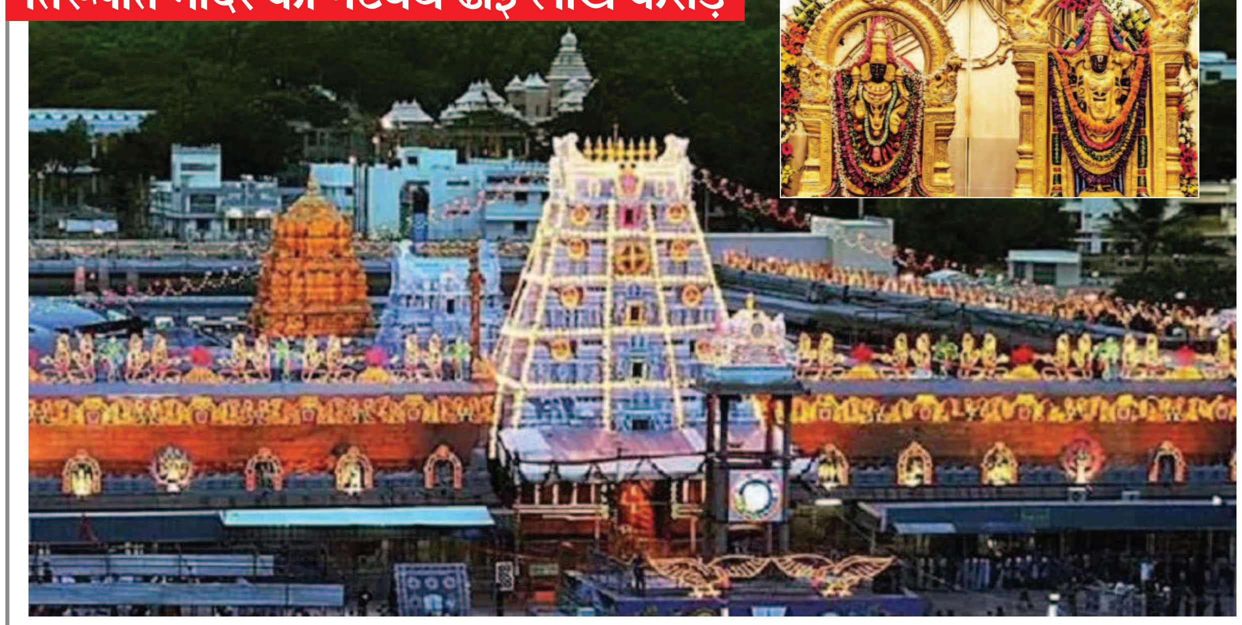

वेंकटेश्वर @ जागरूक जनता। मंदरि की की तरफ से जारी श्वेत पत्र में कैश, गोल्ड, जमा राशि और अन्य संपत्ति की पूरी सूची जारी की गई है। इस लिस्ट के मुताबिक मंदिर के पास करीब ढाई लाख करोड़ की संपत्ति है। लिस्ट में दी गई जानकारी के अनुसार मंदरि का 10.25 टन सोना बैंक में जमा है, इसके अलावा बैंक में करीब 16 हजार करोड़ की धनराशि है और देशभर में 960 प्रॉपर्टी हैं। पिछले तीन सालों में मंदिर की संपत्ति में तेजी से इजाफा हुआ है। टीटीडी के पास 2019 में करीब 7.4 टन सोना जमा था। पिछले 3 सालों में 2.9 टन सोने की बढ़ोतरी हुई है। बैंकों में जमा सोना भी बढ़कर 10.3 टन हो गया है। रिपोर्ट से मिली जानकारी के मुताबिक, मंदिर की संपत्ति पूरे भारत में करीब 7,123 एकड़ में फैली हुई है. मंदिर की यह आय भक्तों, संस्थानों की तरफ से दिए गए दान से होती है।

पाक बॉर्डर पर भारत-फ्रांस के वायुसेना अध्यक्षों ने उड़ाए जेट

जोधपुर एयरबेस पर राफेल-सुखोई, तेजस गरजे

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोधपुर। फ्रांस के वायुसेना प्रमुख स्टीफन माइल ने भारत का सुखोई फाइटर जेट उड़ाया, वहीं भारतीय वायुसेना के चीफ वीआर चौधरी ने राफेल में उड़ान भरी। इसके साथ ही युद्धाभ्यास के दौरान स्वेदेशी फाइटर जेट तेजस ने भी अपना कौशल दिखाया। पाकिस्तान बॉर्डर के नजदीक स्थित जोधपुर एयरबेस पर इन दिनों दुनियाभर के देशों की निगाहें टिकी हुई हैं। यहां के आसमान में गूंजती राफेल, सुखोई और तेजस जैसे एडवांस्ड फाइटर की आवाजें दुश्मनों को डराने के लिए काफी हैं।

दरअसल, इन दिनों यहां इंडिया और फ्रांस की एयरफोर्स के बीच गरुड़-7 युद्धाभ्यास किया जा रहा है।करीब दस दिन से जारी इस एक्सरसाइज में आज दोनों देशों के एयर चीफ ने भी फाइटर जेट्स में करीब एक घंटे तक उड़ान भरी। इस एक्सरसाइज में हवा में फ्यूल से भरने से लेकर वेपन सिस्टम के नए सिरे से यूज करने की प्रैक्टिस की गई। मंगलवार को एक साथ 10 फाइटर जेट और एक ट्रांसपोर्टर एयरक्राफ्ट ने बेस से उड़ान भरी। यह फाइटर जेट हवा में प्रैक्टिस करते रहे, वहीं ट्रांसपोर्टर एयरक्राफ्ट ने हवा में विमानों में फ्यूल भरने की प्रैक्टिस की। मंगलवार को सुबह 11 बजकर 20 मिनट पर जोधपुर एयरबेस से राफेल, सुखोई और तेजस फाइटर जेट ने उड़ान भरी। खास बात ये भी रही कि इस युद्धाभ्यास में भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने राफेल और फांसीसी एयरफोर्स 'फ्रेंच आर्मी डे एयर' के चीफ जनरल स्टीफन ने सुखोई में को-पायलट के तौर पर उड़ान भरी।

दिल्ली में हुई थी मुलाकात

वहीं सोमवार को दिल्ली स्थित वायुसेना मुख्यालय में दोनों देशों के चीफ की मुलाकात हुई। दोनों ने युद्धाभ्यास, आपस में सहयोग के बारे में विस्तार से चर्चा की। ये दूसरा मौका है जब जोधपुर एयरबेस पर गरुड़ युद्धाभ्यास के दौरान दोनों देशों के चीफ ने एक दूसरे के फाइटर उड़ाए। इससे पहले साल 2014 में गरुड़ के 5वें संस्करण के दौरान भारतीय वायुसेना के तत्कालीन चीफ अरूप राहा और फांसीसी चीफ डेनिस मेर्सियर ने उड़ान भरी थी।

छह युद्धाभ्यास हो चुके हैं

दोनों देशों की एयरफोर्स के बीच गरुड़ सीरिज के पहले छह युद्धाभ्यास हो चुके हैं, उनमें से तीन भारत में और तीन फ्रांस में हुए हैं। वर्ष 2014 में जोधपुर में यह युद्धाभ्यास हो चुका है। इस युद्धाभ्यास के बाद ही भारत के राफेल खरीदने के सौदे ने तेजी पकड़ी थी और आज राफेल इंडियन एयरफोर्स का हिस्सा बन चुका है।

आडवाणी के जन्मदिन पर बधाई देने उनके घर पहुंचे मोदी

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी मंगलवार को 95 साल के हो गए हैं। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन्हें जन्मदिन की बधाई देने उनके आवास पर पहुंचे। इसके अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी उनके आवास पर पहुंचकर उन्हें बधाई दी है। दोनों नेताओं की आडवाणी से मिलने की कुछ तस्वीरें और वीडियो भी सामने आई हैं। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि प्रधानमंत्री मोदी काफी उत्साह से भाजपा वरिष्ठ नेता आडवाणी को बधाई देते नजर आ रहे हैं। मोदी ने इस दौरान उन्हें गुलदस्ता भी भेंट किया। रक्षा मंत्री सिंह भी आडवाणी से मिले और उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना की।

राजस्थान में खनिज लाइमस्टोन का भण्डार

ई-नीलामी के लिए 6 नए ब्लॉक होंगे तैयार

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में माइनिंग डिपोजिट्स एक्स्पलोरेशन सेंपल्स के रासायनिक परीक्षण में तेजी के उत्साहजनक परिणाम प्राप्त होने लगे हैं। माइंस, पेट्रोलियम एवं पीएचईडी विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया कि विभाग की ओर से पिछले एक माह में 2386 सेंपल्स का रासायनिक परीक्षण करवाया गया है, जिसमें से अब तक प्राप्त 2042 सेंपल्स के रासायनिक परीक्षण परिणामों से नागौर, जैसलमेर और पाली में खनिज लाइमस्टोन और एसएमएस ग्रेड लाइमस्टोन के गुणवत्तायुक्त भण्डार मिले हैं, इससे ई–नीलामी के लिए 6 नए ब्लॉक तैयार हो सकेंगे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश में विपुल खनिज भण्डारों को देखते हुए खनिज खोज और खनन कार्य को गति देने के निर्देश दिए हैं।

खोज, ड्रिलिंग और सेंपल्स परीक्षण कार्य को देंगे गति

मुख्यमंत्री गहलोत द्वारा समय–समय पर दिए गए निर्देशों के क्रियान्वयन में विभाग द्वारा राजस्थान स्टेट मिनरल एक्स्पलोरेषन ट्रस्ट आरएसएमईटी के माध्यम से खनिज खोज, ड्रिलिंग और सेंपल्स परीक्षण कार्य को गति देने का योजनावद्ध क्रियान्वयन आरंभ किया गया है। पहले चरण में एनएबीएल एक्रिडिटेड प्रयोगशालाओं में रासायनिक परीक्षण हेतु 2386 सेंपल्स भिजवाएं गए हैं। इन सेंपल्स में से कुल 2042 सेंपल्स के परिणाम रासायनिक विश्लेषण उपरान्त प्राप्त हो चुके हैं। सेंपल्स के परिणाम उत्साहजनक होने से इनसे संबंधित क्षेत्र नागौर में खनिज लाइमस्टोन के 3, जैसलमेर में खनिज लाइमस्टोन व एसएमएस ग्रेड लाइमस्टोन के 2 व पाली में खनिज लाइमस्टोन का 1 ब्लॉक ई-नीलामी हेतु तैयार किए जा सकेंगे।

आधुनिक प्रयोगशालाओं में ड्रिलिंग से प्राप्त सेंपल्स का परीक्षण

विभागीय संशाधनों की कमी को देखते हुए आरएसएमईटी के वित्तीय सहयोग से एनएबीएल एरि डेटेड प्रतिष्ठित प्रयोगशालाओं से ड्रिलिंग से प्राप्त सेंपल्स के परीक्षण का निर्णय लिया गया है। वित्तीय, तकनीकी, आधुनिकतम सुविधाओं और विशेषज्ञ मानव संसाधन की कमी के कारण हजारों की संख्या में सेंपल्स का परीक्षण नहीं होने के कारण कार्य प्रभावित हो रहा था। ड्रिलिंग से प्राप्त सेंपल्स के परीक्षण से खनिज की ग्रेड, कितनी गहराई में उपलब्धता, गुणवत्ता, भण्डारों की उपलब्धता आदि का आधुनिकतम तकनीक से परीक्षण होने से ऑक्शन के लिए समय पर ब्लॉक्स तैयार कर नीलामी की जा सकती है। इससे अवैध खनन पर रोक, वैध खनन को बढ़ावा, प्रतिस्पर्धात्मक दरों पर नीलामी, राज्य के राजस्व में वृद्धि के साथ ही वैज्ञानिक पद्धति से खनन को बढ़ावा दिया जा सकता है।

बदला मौसम, बारिश, ओलों से लगी सर्दी

झोपड़ी पर गिरी आकाशीय बिजली

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में मंगलवार को मौसम का मिजाज बदल गया। प्रदेश में ज्यादातर जगहों पर दिनभर बादल छाए रहे। रुक-रुक कर पूर्वी हवाएं चलने से सूरज दुबका नजर आया। कई स्थानों पर कहीं तेज बारिश के साथ ओले गिरे तो कहीं हल्की बूंदाबांदी हुई। वहीं, सादुलपुर के गांव ढ़ढाल रोड़ पर आकाशीय बिजली गिरने से बावरियों की एक झोपड़ी में आग लग गई। जिससे झोपड़ी में खाने पीने का सामान व नकदी आदि जलकर राख हो गया। वहीं, राजधानी जयपुर शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में बरसात के साथ ओलावृष्टि भी हुई। जयपुर के पास चौमूं, गोविन्दगढ़, खेजरोली में तूफानी बरसात के बाद ओले गिरे। जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई और सर्दी बढ़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ का असर दस नवम्बर तक रहेगा। अगले चौबीस घंटे के दौरान गंगानगर, हनुमानगढ़ व चूरू जिले में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है।

श्रीमाधोपुर व खाटूश्यामजी क्षेत्र में गिरे ओले

खाटूश्यामजी कस्बे के बाहरी इलाकों में तेज अंधड़ और ओलावृष्टि का दौर रहा। तेज अंधड़ के चलते अलोदा रोड पर सीता कुंड के पास चौथूराम मील का ग्रीन हाउस धराशाही हो गया, जिससे किसान को लाखों का नुकसान हो गया। इधर मंढा रोड पर बसे किसान भगवान सहाय ने बताया कि उनके सहित आसपास के खेतों में चने के आकार के ओले गिरे। इससे फसलों पर चादर सी बिछ गई। बूंदाबांदी के बाद सर्दी का असर तेज हो गया। मूंडरू क्षेत्र के कई गांवों में बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई। कोलवा लिसाडिया व सीमारला गांवों में जमकर ओले गिरे। किसानों के टमाटर, टिंडा सहित सब्जी की फसलों में नुकसान हुआ है।

गिरेगा पारा, बढ़ेगी सर्दी

मौसम विभाग और स्काईमेट वेदर रिपोर्ट के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के असर से प्रदेश में सर्दी का असर बढ़ेगा। पश्चिमी विक्षोभ का अगले चौबीस घंटे तक असर रहेगा। उसके बाद वापस उत्तरी हवाएं मैदानी इलाकों में आने लगेगी। इससे पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में तापमान गिरने लगेगा। पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी के बाद चलने वाली उत्तरी हवाओं के अगले तीन से चार दिन में शेखावाटी के तीनों जिलों में तापमान 10 डिग्री सेल्सियस या उससे नीचे चला जाएगा।

नौकरी की मांग लेकर आए प्रदर्शनकारियों पर गाड़ी चढ़ाने की कोशिश की

पचपदरा रिफाइनरी के बाहर तोड़फोड़, गाड़ी को आग लगाई

बालोतरा @ जागरूक जनता। बाड़मेर जिले के बालोतरा उपखंड क्षेत्र के पचपदरा रिफाइनरी के गेट नंबर तीन पर मंगलवार को प्रदर्शनकारियों पर गाड़ियां चढ़ाकर कुचलने का प्रयास किया गया। इसके बाद लोगों ने दो बोलेरो कैंपर पर लाठियों से तोड़फोड़ कर आग के हवाले कर दिया। इस दौरान बदमाशों ने 3 राउंड हवाई फायरिंग भी की। प्रदर्शनकारी और अधिकारी जान बचाकर मौके से भागे। घटना के बाद अज्ञात बदमाश मौके के फरार हो गए।दरअसल, स्थानीय लोग सुबह 11 बजे रोजगार और ठेके देने की मांग को लेकर धरना देने पहुंचे थे। गेट नंबर 3 पर शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे थे। उनकी मांग थी कि तहसीलदार मौके पर पहुंचकर समस्या सुने, इसी दौरान ज्ञापन दिया जाएगा। सूचना के बाद करीब 12 बजे सरपंच डालूराम तथा तहसीलदार इमरान खान मौके पर पहुंचे। तभी काले शीशे वाली करीब 7 बोलेरो गाड़ियों में बदमाश सवार होकर आए। अधिकारियों और भीड़ को कुचलने का प्रयास किया।

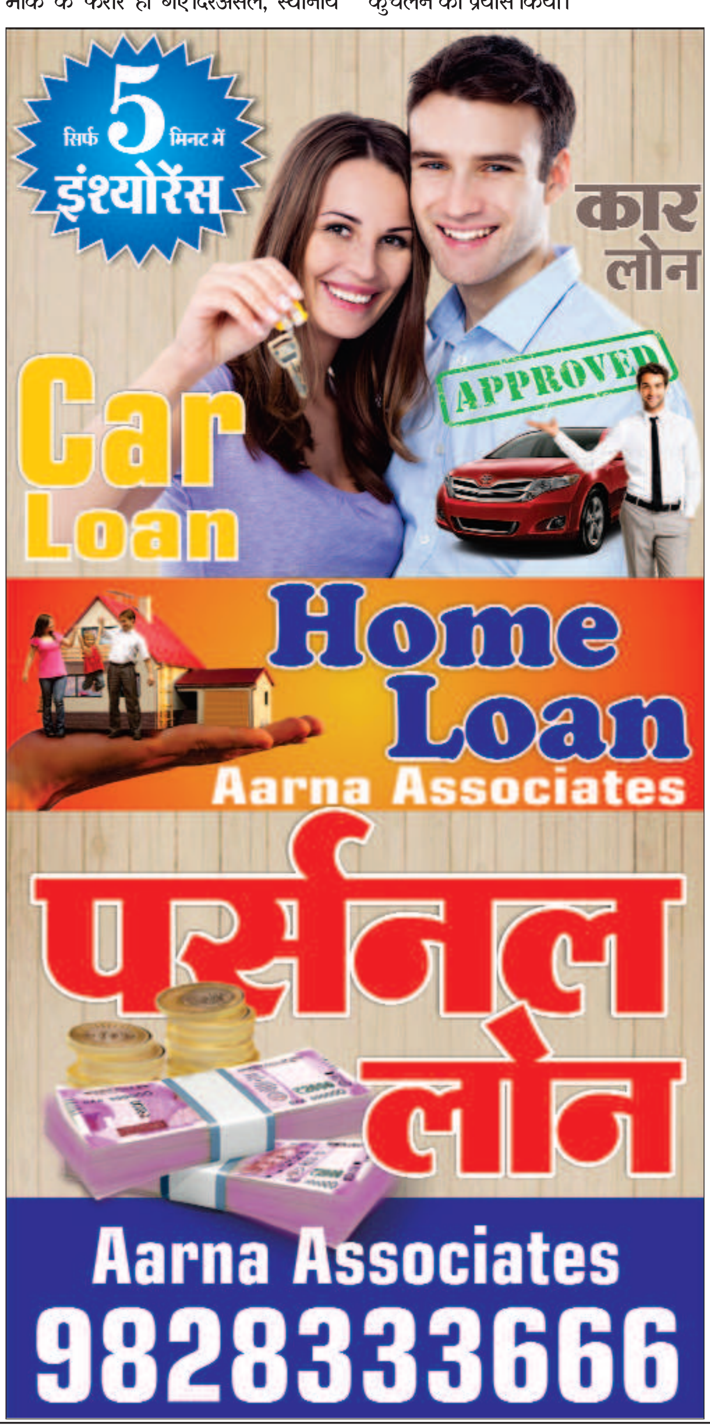

संपादक : **ज्ञानेन्द्र मिश्रा** मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। **संपादकीय कार्यालय** : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

देव दिवाली पर 10 लाख दीपकों से सजाये गये 84 घाट

एक गरिमा मय पद पर जनप्रतिनिधि का सार्वजनिक रूप से कानून हाथ में लेना कहा तक सही

चित्तौड़गढ़ में गूंजा रहा सांसद जोशी का दलित कर्मचारी को थप्पड़

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ में सांसद थप्पड़ कांड थमने का नाम नहीं ले रहा है, प्रतापगढ़ में कांग्रेस विधायक रामलाल मीणा के नेतृत्व में सांसद चंद्रप्रकाश जोशी का पुतला फूंकने के बाद भीम आर्मी ने प्रदर्शन किया तो वहीं चित्तौड़गढ़ में भारतीय अफीम किसान संघर्ष समिति के द्वारा अफीम नीति में संशोधन की मांग की व एक दलित संविदाकर्मी को भ्रष्टाचार की आड़ में थप्पड़ मारने के विरोध में प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा गया। सोमवार को आम आदमी पार्टी के संयोजक अनिल सुखवाल ने तो कलेक्ट्रेट चौराहा पर लगी गांधीजी की दांडी मार्च प्रतिमा के सामने बैठकर सांसद द्वारा कानून के रक्षकों के सामने ही कानून हाथ में लेने के विरोध में अपना सर ही मुंडवा दिया।भारतीय अफीम किसान संघर्ष समिति के संरक्षक व किसान नेता

मांगीलाल मेघवाल ने ज्ञापन में मांग की, कि वर्ष 2015 से 2021 तक नारकोटिक्स विभाग की सीबीआई जांच कर एसीबी द्वारा पकड़े गए सभी अधिकारियों के नार्को टेस्ट किए जाए। अफीम नीति 2021-22 में जो संशोधन हुआ है इसे देश व किसान हित में 10-10 आरी के अफीम पट्टे लुवाई चिराई वाले अफीम पट्टे दिए जाए। जिससे देश को विदेशी मुद्रा,किसानों को रोजगार और मरीजों को सस्ती दवाइयां उपलब्ध हो सके। चित्तौड़गढ़ सांसद महोदय द्वारा नार्कोटिक्स विभाग के दलित संविदा कर्मचारी को तो थप्पड़ मार दिया। जबकि उन्हें यह रिश्वत की राशि कहां और किन-किन तक पहुंचती है इसकी जांच करवानी कहिए थी लेकिन इसका खुलासा अभी तक नहीं हो पाया है। नारकोटिक्स विभाग के एक कर्मचारी को भ्रष्टाचार के आड़ में सार्वजनिक रूप से कानून हाथ में लेकर थप्पड़ झड़ना कहा तक सही है अगर सांसद स्वंम नारकोटिक्स में अफीम किसानों की आड़ में हो रहे भ्रष्टचार के खिलाफ है तो क्या इतने वर्ष उन्हें इस भ्रष्टाचार की जानकारी नहीं थी। प्रतापगढ़ के नारकोटिक्स कार्यालय में खुद ही हाकम बन के एक छोटे कर्मचारी को गुनहगार मानते हुए सजाए एलान कर देना कहा तक सही है अगर सांसद वाकई में इस विभाग से भ्रष्टाचार खत्म करना चाहते हैं तो 7 साल से सांसद महोदय को भ्रष्ट लोगों की जानकारी होनी चाहिए और विभाग में सफेदपोश नेता होने पर विभाग में भी सफेदपोशी होनी चाहिए भ्रष्टाचार की जानकारी होने पर कहा और कितनी भ्रष्टाचार की आड़ में राशि लेकर नामांतरण सहित अन्य काम किए जा रहे हैं और वह राशि कहां तक पहुंच रही है। इसका पूरा खुलासा होना चाहिए। सिर्फ एक संविदा कर्मी को थप्पड़ मार कर वाहवाही नहीं लूटना सही नहीं हैं। किसी कर्मचारी को कोई जनप्रतिनिधि कार्यालय में घुसकर मारपीट करने की भाजपा यह परंपरा बना रही है। बिना आरोप पत्र तय किए सीधे मारपीट पर उतारू होना संवैधानिक प्रक्रिया नही हैं।

सीतापुरा इंडस्ट्रीज एसोसिएशन की मुलाकात

किसी भी उद्योग का कनेक्शन नहीं काटा जाएगा-सक्सेना

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। फेडरेशन ऑफ राजस्थान ट्रेड एंड इंडस्ट्री के कार्यकारी अध्यक्ष अरुण अग्रवाल एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष जगदीश सोमानी के साथ सीतापुरा इंडस्ट्रीज एसोसिएशन से नीलेश अग्रवाल एनके जैन एंप्लॉय एसोसिएशन ऑफ राजस्थान के अध्यक्ष का एक संयुक्त प्रतिनिधिमंडल एमडी जेवीवीएनएल अजीत सक्सेना से मिला तथा विस्तार से आज के समय जो प्रतिभूति राशि की डिमांड उद्योगों से की जा रही है उसके बारे में चर्चा हुई कि। कोबिड के बाद में अभी जो परिस्थिति है उसमें जो प्रतिभूति राशि है वह बढ़ी हुई अभी नहीं ली जाए उद्योगों से और जो फ्यूल सरचार्ज तीन तरह का लगभग 50 पैसे प्रति यूनिट लग रहा है उसके बारे में भी चर्चा हुई और उन्हें आश्वासन दिया कि किसी का भी कनेक्शन नहीं काटा जाएगा। फिर भी आग्रह है कि अगर कोई जमा करा सकते हैं तो करा दें लेकिन किसी भी उद्योग का कनेक्शन नहीं काटा जाएगा। इस बात का आश्वासन आज हमारे प्रतिनिधि मंडल को उन्होंने दिया उद्योगों के लिए बहुत अच्छी बात है कि सरकार ने संयुक्त प्रतिनिधिमंडल की बात स्वीकार की है।

मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम- 2023

अभी नाम जोड़ने पर वर्ष 2023 के अंत में संभावित चुनाव में दे सकेंगे वोट

जयपुर @ जागरूक जनता। मतदाता सूची में नाम जोड़ने के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम को इस बार निर्वाचन विभाग चलो वोटर बनें: मिलाकर कदम से कदम बढ़ें थीम पर उत्सव के रूप में मना रहा है। उत्सव के राज्यस्तरीय कार्यक्रम की शुरुआत 9 नवंबर को प्रातः 7:30 बजे राजस्थान विश्वविद्यालय के प्रवेश द्वार से कॉमर्स कॉलेज केंपस तक आयोजित चल मैराथन से की जा रही है। गुप्ता ने बताया वर्ष 2023 के अंत में संभावित विधानसभा चुनाव और वर्ष 2024 के आम चुनाव (लोस चुनाव) में वोट डालने के लिए 17 वर्ष से अधिक उम्र के युवा अपना नाम जुड़वा सकते हैं।उन्होंने बताया कि जहां पहले केवल एक जनवरी को 18 वर्ष पूर्ण करने वाले युवा मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वा सकते थे वहीं अब 1 जनवरी, 1 अप्रैल, एक जुलाई और एक अक्टूबर 2023 को जो युवा 18 वर्ष की उम्र पूरी कर रहे हैं, वे 9 नवंबर से 8 दिसंबर तक मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने के लिए पंजीकरण कर सकते हैं।

पशु पालक वैज्ञानिक तरिके अपनाकर कमाये अधिक लाभ-डेयरी अध्यक्ष जाट

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। लसाडिया कला आदर्श महिला ग्राम विकास दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति लसाडिया कला में पारितोषिक वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे दुग्ध दाताओं को 2 लाख 40 हजार रुपए का बोनस वितरित करने के साथ ही 120 सदस्यों को बर्तन पारितोषिक के रूप में वितरण कर डेयरी की प्रसव उपहार योजना के तहत 8 सदस्यों को 3-3 लीटर घी प्रदान किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डेयरी अध्यक्ष बद्रीलाल जाट जगपुरा ने संघ द्वारा विभिन्न योजना सरस लाडली, प्रसव उपहार, बीमा योजना, आगजनी, टीकाकरण आदि के बारे में व संघ सुविधाओं की विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होंने अच्छी नस्ल के पशु पालने के साथ दुग्ध व्यवसाय में ज्यादा ध्यान देने का आग्रह किया। आधुनिक युग में पशुपालन में उत्तम नस्ल के पशु पालने एवं कृषि में विभिन्न आधुनिक एवं वैज्ञानिक तरीके अपनाकर अधिक लाभ कमाया जा सकता है। नौजवान युवकों को रोजगार से जुड़ने की बात कही एवं संघ सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम अध्यक्ष डायरेक्टर भरत कुमार आंजना ने अधिक से अधिक पशुपालको को सहकारी समीति से जुडने का ओर संघ द्वारा संचालित सभी योजनाओ का लाभ लेने का आह्वान करने के साथ ही संघ के हित में साथ खड़े रह कर संघ को आगे बढ़ाने के लिये एक जुट होने की बात कही।

रामजीलाल सैनी कार्यवाहक नर्सिंग अधीक्षक बने

जयपुर @ जागरूक जनता। सवाई मानसिंह हॉस्पिटल ट्रॉमा सेंटर का कार्यवाहक नर्सिंग अधीक्षक रामजी लाल सैनी सीनियर नर्सिंग ऑफिसर को बनाया गया आज सोमसिंह मीणा अध्यक्ष नर्सेज संघर्ष समिति और अन्य कर्मचारियों ने सैनी को नर्सिंग अधीक्षक पद पर कार्य भार ग्रहण करने पर माला पहनाकर कर बधाई दी इस दौरान नर्सिंग ऑफिसर बाबू लाल हवासिंह खालिद मंसूरी सुनीता डूडी सुलेखा चौधरी सागर अन्य कर्मचायियो ने भी बधाई दी

ANCHOR उत्सव

पारंपरिक सांगीतिक धुनों और उत्कृष्ट अभिनय के साथ कालबेलिया उत्सव सम्पन्न

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोधपुर। राजस्थान पर्यटन विभाग एव यूनेस्को के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय कालबेलिया संगीत एवं नृत्य उत्सव यादगार प्रस्तुतियों के साथ रविवार रात सम्पन्न हो गया। लोक सांस्कृतिक परंपराओं में मशहूर कालबेलिया नृत्य-संगीत की मनोहारी प्रस्तुतियों ने अभिनय कला और सांगीतिक पक्षों के तमाम हुनरों और विलक्षणताओं से रूबरू कराते हुए देशी-विदेशी पर्यटकों, मेहमानों और कद्रदानों को आनंद के ज्वार में नहला दिया।कालबेलिया उत्सव के समापन दिवस पर भी राजस्थानी संस्कृति एवं परंपरा की आभा की धूम रही। रविवार को जसवंत थड़ा में डूबते सूरज की साक्षी में मनोरम कालबेलिया नर्तकों ने अपने उत्कृष्ट नृत्य और पारंपरिक संगीत के साथ लोक संस्कृति के रस-रंगों की सरिताएं बहा दीं। यह उत्सव कालबेलिया के गांव चौपासनी में सुबह 11 बजे शुरू हुआ, जहाँ समुदाय ने अपने गांव में सभी क्षेत्रों से आए लोगों का स्वागत किया और उनके लोक नृत्य के परंपरागत इतिहास और अभ्यास के बारे में उनसे बातचीत की। सांस्कृतिक सांझ

की शुरुआत प्रसिद्ध नर्तकी आशा सपेरा के नृत्य प्रदर्शन और कार्यशाला के साथ हुई, जिन्होंने एल बाको फ्लेमिन्को के साथ सहयोग किया है। आशा के प्रदर्शन के बाद शाम को शेरनाथ और टीम, अप्पनाथ और टीम सहित विभिन्न कालबेलिया उस्तादों का लुभावना नृत्य प्रदर्शन खूब जमा।

इन कार्यक्रमों में सुप्रसिद्ध कालबेलिया गुरु लोक कलाकार कालूनाथ कालबेलिया, सुवा देवी, सुरमनाथ कालबेलिया, समदा कालबेलिया, आशा सपेरा, चंदना कालबेलिया आदि मशहूर लोक कलाकारों ने अपने आकर्षक कार्यक्रमों ने ख़ासा समा बांध दिया।इस दौरान ब्रिटिश कांउसिल के निदेशक जोनाथन के. रेड्डी, यूनेस्को टीम से अमिताभ भट्टाचार्य, मेहरानगढ़ फोर्ट के खरमांश बोहरा, देशी-विदेशी पर्यटकों, कॉलेज विद्यार्थियों, कलाप्रेमियों, कलाकारों आदि ने इन लोक कलाओं और मनोरम नृत्य प्रस्तुतियों का आनंद लिया। मंत्रमुग्ध कर देने वाले कालबेलिया नृत्य के बीच जैसलमेर के कठपुतली कलाकारों ने अपने लाइव कठपुतली शो के साथ मेहमानों को खासा गुदगुदाया और मनोरंजन के जरिये कठपुतली कला के महत्व को समझाया। दो दिवसीय उत्सव का समापन कालबेलिया नृत्य और समुदाय के लिए समर्पित, देश-विदेश में इस कला के प्रचार-प्रसार एवं प्रदर्शन में अतुलनीय योगदान दे रहे कालबेलिया गुरु कालूनाथ कालबेलिया की अन्तर्राष्टीय स्तर की प्रस्तुति से हुआ। कद्रदानों ने करतल ध्वनि से कलाकारों के प्रदर्शनों को जमकर दाद दी।

यूनेस्को की सूची में समाहित है यह

कालबेलिया गीत और नृत्य 2010 में मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की यूनेस्को की प्रतिनिधि सूची में शामिल है। स्थानीय भाषा में, 'काल' का अर्थ सांप और 'बेलिया' का अर्थ दोस्ती है। कालबेलिया सपेरे के रूप में जीवनयापन करने वाला एक खानाबदोश समुदाय था, जो विशेषकर जोधपुर जिले के चौपासनी प्रतापनगर और धोला क्षेत्र में रहता है। इस समुदाय द्वारा किये जाने वाले नृत्य सांप की गतिविधियों पर आधारित हैं। कालबेलिया नर्तकियों द्वारा अपने हाथों से की गई कशीदाकारी वाले परिधानों के साथ ही आंचलिक पहचान रखने वाले आभूषण धारण किए जाते हैं तथा पारम्परिक वाद्य यंत्र पूंगी के साथ किये जाने वाले इनकी विभिन्न प्रकार की नृत्यकलाओं ने इन्हें देश-दुनिया में विशेष पहचान व ख्याति दी है।